

सिंधु भवन रोड पर नाइट चैकिंग में बड़ा पर्दाफाश: इलेक्ट्रिक वाहन की डिकी से निकला हाइब्रिड गांजे का जखीरा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद के पॉश और व्यस्त माने जाने वाले सिंधु भवन रोड पर रात के समय पुलिस द्वारा चलाए जा रहे सघन वाहन चैकिंग के दौरान एक चौंकाने वाला काला कारोबार पकड़ा गया है। पुलिस को संदिग्ध लगने पर रोके गए एक इलेक्ट्रिक वाहन की जब डिककी खोली गई, तो अंदर से जो पैकेट बरामद हुआ, उसने खाकी वर्दी और पूरे इलाके को हिलाकर रख दिया है। वाहन की डिककी से हाइब्रिड गांजा मिलने से सनसनी फैल गई है। प्राप्त विवरण के अनुसार, सिंधु भवन रोड पर रात के अंधेरे में पुलिस टीम अपनी नियमित वाहन चैकिंग ड्यूटी पर थी। उसी दौरान एक इलेक्ट्रिक वाहन को रोककर पुलिस ने उसकी तलाशी ली। जब पुलिस ने वाहन की डिककी खोली तो अंदर से एक संदिग्ध पैकेट मिला। बारीकी से जाँच करने पर उसमें से 31 ग्राम और 610 मिलीग्राम हाइब्रिड गांजा बरामद हुआ। पुलिस के मुताबिक, जब्त किए गए इस हाइब्रिड नशीले पदार्थ की बाजार कीमत अनुमानित 15 हजार 805 रुपये है। पुलिस ने इस मामले में गहराई से जाँच के पहिए घुमाए तो एक के बाद एक कड़ियाँ खुलने लगीं माल देने वाला कौन? पुलिस जाँच में यह साफ हो गया है कि इस घातक नशीले पदार्थ का यह जखीरा मुख्य रूप से कुणाल प्रवीणभाई पटेल के पास से लाया गया था। किसे पहुँचाना था? यह माल सिंधु भवन रोड पर स्थित जानी-मानी ताज होटल के पास ‘रिचौरिच पान पार्लर’ पर पहुँचाना था, जिसे राजेशकुमार देवासी नामक शख्स द्वारा स्वीकार किया जाना था। गांजे का यह घातक जखीरा अपनी मंजिल तक पहुँच पाता और युवाधन तक फैलता, उससे पहले ही सरखेड पुलिस की सतर्कता के कारण यह पूरा काला कारोबार बेनकाब हो गया है।

वडोदरा की गोल्डन चौकड़ी पर थार गाड़ी वाले की दबंगई फ्लॉप: 18 लाख के माल के साथ बुटलेगर डेर!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। वडोदरा शहर की सीमा में स्थित व्यस्त और संवेदनशील मानी जाने वाली गोल्डन चौकड़ी क्षेत्र से कानून और व्यवस्था को ठेंगा दिखाने वाली एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन पर गाड़ी रोकने पर पुलिस पर ही रौबर झाड़ने वाले एक थार चालक की दबंगई भारी पड़ गई है। हरणी पुलिस और ट्रैफिक पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में महिंद्रा थार गाड़ी से विदेशी शराब का बड़ा स्टॉक, मोबाइल और अनुमानित 5 लाख रुपये नकद सहित कुल 18 लाख रुपये का माल जब्त कर मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। प्राप्त विवरण के अनुसार, वडोदरा के गोल्डन चौकड़ी क्षेत्र में ट्रैफिक पुलिस अपनी ड्यूटी निभा रही थी। उसी दौरान संदिग्ध हालत में गुजर रही एक हाई-प्रोफाइल महिंद्रा थार गाड़ी को ट्रैफिक जवानों ने रोकने की कोशिश की। गाड़ी रुकते ही थार चालक ने कानून का डर रखे बिना मौके पर मौजूद ट्रैफिक पुलिसकर्मियों के साथ अभद्र व्यवहार करते हुए भारी दबंगई शुरू कर दी। चालक का यह अत्याधिक रौब देखकर पुलिस की शंका और पुख्ता हो गई। इस मामले में बिना एक पल गंवाए ट्रैफिक पुलिस ने तुरंत हरणी पुलिस स्टेशन को इसकी सटीक जानकारी दे दी। सूचना मिलते ही हरणी पुलिस स्टेशन की टीम पल भर में गोल्डन चौकड़ी पहुँच गई। पुलिस ने कड़ाई से पूछताछ और गाड़ी की तलाशी लेनी शुरू कर दी। शराब का जखीरा: धोलाका गांव के रहने वाले आरोपी आशीष परमार की थार गाड़ी से अलग-अलग बांड की विदेशी शराब की 5 पेटियां बरामद हुईं। शराब और नकदी के अलावा लाखों रुपये की महिंद्रा थार गाड़ी और मोबाइल फोन सहित पुलिस ने कुल 18 लाख रुपये का कीमती सामान जब्त किया है।

पालिका किराया वसूलने में त्यस्त, सफाई के नाम पर जीरो

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई. शहर के हृदयस्थल में स्थित और डभोई नगरपालिका द्वारा संचालित सहयोग मार्केट की हालत देखकर सवाल उठता है कि यह सच्ची मार्केट है या कचरे का अड्डा? एक तरफ नगरपालिका व्यापारियों से नियमित रूप से किराया वसूल कर रही है, वहीं दूसरी तरफ मार्केट में सफाई और बुनियादी सुविधाओं के नाम पर मानो कुछ भी नहीं किया जा रहा। मार्केट में 200 से अधिक दुकानें हैं और रोजाना करीब 1500 से ज्यादा ग्राहक सच्ची एवं अन्य सामान खरीदने पहुंचते हैं। लेकिन इतनी बड़ी संख्या में लोगों की आवाजही वाले इस मार्केट में सफाई व्यवस्था की स्थिति बेहद खराब होने की शिकायतें सामने आ रही हैं। हयोग मार्केट और उसके आसपास के इलाकों में जगह-जगह कचरा, सड़ी हुई सब्जियों और गंदगी के ढेर लगे होने की शिकायतें हैं। बारिश की नमी और सड़ते कचरे के कारण पूरे इलाके में तेज दुर्गंध फैल रही है। नतीजा यह है कि व्यापारियों को दिनभर गंदगी और बदबू के बीच बैठकर कारोबार करना पड़ रहा है, जबकि ग्राहकों को भी नाक पर रूमाल रखकर मार्केट से गुजरने की स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जहां लोग खाने-पीने की चीजों की खरीदारी करने आते हैं, वहां स्वच्छता की ऐसी स्थिति आखिर कैसे स्वीकार की जा सकती है? स्थानीय व्यापारियों और लोगों का आरोप है कि मार्केट में पहले रखी गई कई कचरे की पेटियां अब दिखाई नहीं देती। जब कचरा डालने की पर्याप्त व्यवस्था ही नहीं होगी, तो लोग कचरा कहाँ डालेंगे? नतीजा साफ है-खुली जगहों में कचरा जमा होता जाता है और कुछ समय बाद वही कचरा सड़कर बदबू का कारण बन जाता है।

डभोई के ऐतिहासिक तालाब में खूनी खेल: केमिकल के जहर से सैकड़ों मछलियों का संहार!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई।डभोई शहर के बीचों-बीच स्थित शहर की पहचान माने जाने वाले ऐतिहासिक और सबसे बड़े तालाब में इन दिनों एक बेहद चौंकाने वाली घटना सामने आ रही है। पिछले कुछ दिनों से तालाब में रोजाना सैकड़ों मछलियां रहस्यमय परिस्थितियों में मृत मिल रही हैं। तालाब के किनारे मृत मछलियों के ढेर और पानी की सतह पर तैरती मछलियों को देखकर स्थानीय नागरिकों और पर्यटकों प्रेमियों में प्रशासन के खिलाफ भारी नाराजगी है। इतनी बड़ी संख्या में मछलियों की अचानक मौत को लेकर स्थानीय स्तर पर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, आशंका है कि रात के अंधेरे का फायदा उठाकर कुछ असामाजिक तत्व तालाब के पानी में कथित तौर पर जहरीला केमिकल डालकर मछलियों का शिकार कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि पानी में केमिकल मिलने के बाद मछलियां प्रभावित होकर सतह पर आ जाती हैं। इसके बाद कथित रूप से शिकारी बड़ी और कीमती मछलियों को पकड़कर ले जाते हैं, जबकि बड़ी संख्या में छोटी-बड़ी मछलियां जहरीले पानी के प्रभाव से मर जाती हैं। सुबह तालाब के किनारे बड़ी संख्या में मृत मछलियां मिलने से दुर्गंध फैल रही है। इससे स्थानीय लोगों में पर्यावरण और स्वास्थ्य को लेकर भी चिंता बढ़ गई है। हालांकि, मछलियों की मौत का वास्तविक कारण क्या है, इसकी पुष्टि वैज्ञानिक जांच के बाद ही हो सकेगी।। हर के बीच स्थित इस प्रमुख तालाब की सुरक्षा और देखरेख की जिम्मेदारी नगरपालिका प्रशासन की है। ऐसे में स्थानीय लोगों ने प्रशासन से कई सवाल पूछे हैं

सोहराबुद्दीन एनकाउंटर केस में सुप्रीम कोर्ट का डंडा

22 आरोपियों को बरी करने के हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट ने जारी किया नोटिस

92 गवाहों के मुकद्दमे पर सर्वोच्च अदालत ने त्यक्त की गंभीर चिंता!

21 पुलिसकर्मियों पर लटकी तलवार

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद. गुजरात के राजनीतिक और पुलिस महकमे को वर्षों तक झकझोर देने वाले अत्यंत चर्चित और विवादस्पद सोहराबुद्दीन शेख फर्जी एनकाउंटर केस में अब एक नया और सबसे बड़ा धमाका हुआ है। इस मामले में ट्रायल के दौरान एक साथ 92 जितने गवाहों के मुकर जाने (होस्टाइल हो जाने) और अपने बयान बदल देने की घटना को सुप्रीम कोर्ट ने बेहद गंभीरता से लिया है। सर्वोच्च अदालत ने स्पष्ट शब्दों में टिप्पणी की है कि इतनी बड़ी संख्या में गवाहों का मुकर जाना न्याय प्रक्रिया के लिए गंभीर चिंता का विषय है और इस मामले की गहराई से जाँच की जाएगी।

‘वया यह उचित और न्यायसंगत कार्रवाई थी?’ – जस्टिस बागची के तीखे सवाल

सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने सुनवाई के दौरान जो टिप्पणियाँ की हैं, उन्होंने इस मामले की फाइलों को फिर से खोल दिया है। ‘लाइव लॉ’ की रिपोर्ट के अनुसार, जस्टिस जॉयमालिया बागची ने स्पष्ट शब्दों में कहा था कि ‘इस मामले में 92 गवाह होस्टाइल हुए, यह बहुत गंभीर चिंता का विषय है। भले ही यह समवर्ती निष्कर्ष

हो, लेकिन न्यायिक प्रक्रिया वास्तव में उचित और न्यायसंगत तरीके से हुई थी या नहीं, यह अब हमें जाँच करना ही होगा। सुप्रीम कोर्ट के इस कड़े रुख से यह स्पष्ट हो गया है कि न्यायतंत्र अब इस मामले में हुए कानूनी खेल और गवाहों को तोड़ने के हथकंडों की सूक्ष्म जाँच करने के मूड में है।

क्या था पूरा इतिहास? 2005 से 2006 का खूनी अध्याय

सोहराबुद्दीन एनकाउंटर (2005): वर्ष 2005 में गुजरात और राजस्थान पुलिस ने एक संयुक्त ऑपरेशन चलाकर राजस्थान के सोहराबुद्दीन शेख का अहमदाबाद में एनकाउंटर किया था। यह एनकाउंटर सही है या गलत, इसे लेकर शुरुआत से ही विवादों का बवंडर खड़ा हो गया था। कौसरबी की हत्या और तुलसी प्रजापति का एनकाउंटर (2006): पुलिस जाँच में सामने आया कि केवल सोहराबुद्दीन ही नहीं, बल्कि उनकी पत्नी कौसरबी की भी हत्या कर दी गई थी। इतना ही नहीं, इस मामले के मुख्य गवाह या सहयोगी माने जाने वाले तुलसीराम प्रजापति का भी वर्ष 2006 में पुलिस एनकाउंटर में रहस्यमय परिस्थितियों में मौत हो गई थी, जिस पर भी गुजरात

पुलिस पर हत्या के आरोप लगे थे। वर्षों तक चले इस लंबे कानूनी संघर्ष में जब निचली अदालत और हाईकोर्ट ने अधिकांश आरोपियों को सरेह का लाभ देकर छोड़ दिया था, तब अब सुप्रीम कोर्ट के इस कदम से एक बार फिर इस मामले में न्याय मिलने की उम्मीद जगी है। आने वाले दिनों में इस मामले में कानूनी जगत में बड़े धमाके होने की पूरी संभावना है। ‘जिस मामले में खाकी वर्दी और सबूतों की मिलीभगत ने कानून को घुटनों पर लाने के प्रयास किए, उसी मामले की फाइलें अब देश की सर्वोच्च अदालत ने खोल दी हैं, जिससे अपराधियों की नींद उड़ गई है! ‘

सोहराबुद्दीन एनकाउंटर केस में 22 आरोपियों को बरी करने के बॉम्बे हाईकोर्ट के पिछले फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई शुरू कर दी है। इन 22 आरोपियों में से 21 तो पुलिसकर्मी ही हैं, जिन पर कानून के रक्षक बनकर कानून अपने हाथ में लेने के गंभीर आरोप थे। किसने की याचिका? सोहराबुद्दीन शेख के भाई नायबुद्दीन शेख द्वारा हाईकोर्ट के 7 मई के फैसले को चुनौती देते हुए स्पेशल लीव पिटिशन दाखिल की गई थी। किसकी बेंच के समक्ष सुनवाई? चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमालिया बागची तथा जस्टिस वी. मोहन की विशेष बेंच ने इस मामले का गंभीर संज्ञान लेते हुए नॉटिस जारी किया है।

वडोदरा के छाणी क्षेत्र में अशांत अधिनियम लागू करने की मांग के साथ जनता का रोष फूटा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। शहर के छाणी टीपी-13 क्षेत्र में पिछले कुछ समय से उत्पन्न संवेदनशील स्थिति और सामाजिक तनाव-बाने को बनाए रखने के लिए स्थानीय रहवासी अब आम-पार की लड़ाई के मूड में आ गए हैं। इस क्षेत्र को तत्काल ‘विनिर्दिष्ट क्षेत्र’ यानी अशांत अधिनियम (अशांत धारा) के दायरे में लाने की अत्यंत महत्वपूर्ण और

जनहित की मांग के साथ आज हजारों की संख्या में स्थानीय रहवासी सड़कों पर उतर आए। टीपी-13 सनातनी संघर्ष समिति के नेतृत्व में आसपास की लगभग 72 सोसाइटियों के हजारों नागरिकों ने अकोटा डी-मार्ट से लेकर कलेक्टर कार्यालय तक एक विशाल और शक्तिशाली महारैली का आयोजन किया था। रैली के दौरान क्षेत्र के रहवासियों में प्रशासनिक तंत्र और सरकार की उदासीनता के खिलाफ भारी रोष देखा

गया। हथों में बैनर और नारे लगाते हुए निकली यह रैली जब कलेक्टर कार्यालय के प्रांगण में पहुँची, तो वहाँ का माहौल पूरी तरह से गर्मा गया। अनेकड़े और शांतिपूर्ण लेकिन उतने ही उग्र तरीके से विरोध प्रदर्शन करते हुए हजारों रहवासी कलेक्टर कार्यालय के प्रांगण में ही बैठ गए और जोर-जोर से रामधुन तथा हनुमान चालीसा का पाठ शुरू कर दिया। सरकार और प्रशासनिक तंत्र के बहरे कानों तक

अपनी आवाज पहुँचाने के लिए जनता द्वारा किया गया यह धार्मिक और प्रतीकात्मक विरोध वर्तमान में पूरे वडोदरा शहर में चर्चा का विषय बना हुआ है। प्रदर्शन के बाद स्थानीय अग्रणियों और रहवासियों द्वारा जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें स्पष्ट चेतावनी दी गई है कि यदि जल्द से जल्द छाणी टीपी-13 क्षेत्र को अशांत अधिनियम के तहत अधिसूचित नहीं किया गया, सुरक्षा को



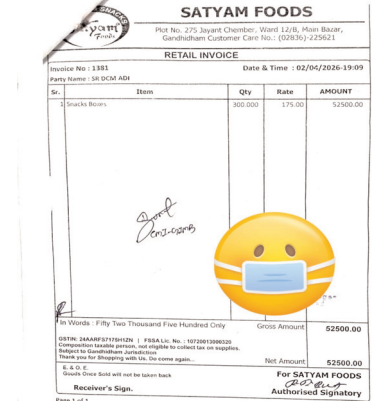
बनाए रखने के लिए यह कानून लागू करना अनिवार्य हो गया है, फिर भी तंत्र द्वारा जानबूझकर अनदेखी की जा रही है।

गांधीधाम के रेलवे कार्यक्रम में 20 रुपये की चाय, 30 रुपये की कॉफी और 50 रुपये के नाश्ते के बॉक्स के 175 रुपये चुकाकर करोड़ों की लूट करने वाले भ्रष्ट अधिकारी बेलगाम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीधाम। देश में कानून के पाठ पढ़ाने वाले और आम जनता पर नियमों का चाबुक चलाने वाले रेलवे विभाग के अधिकारी खुद ही अपने ही नियमों की कैसे धज्जियां उड़ाते हैं, इसका एक बेहद चौंकाने वाला और घोटाले समान मामला सामने आया है। हाल ही में गत 31 मार्च 2026 को गांधीधाम के समीप आयोजित रेलवे विभाग के एक आधिकारिक कार्यक्रम में चाय-पानी से लेकर नाश्ते के बॉक्स के बिल में जो असहनीय लूट चलाई गई है, उसने रेलवे प्रशासन की पोल खोलकर रख दी है। आम जनता या यात्रियों से रेलवे के कड़े नियमों के नाम पर जुर्माना वसूलने वाले इन अधिकारियों ने सरकारी तिजोरी को चूना लगाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है।

घटना का विवरण ऐसा है कि गांधीधाम के इस कार्यक्रम में चाय और कॉफी के बिल जिस हिसाब से बनाए गए और भुगतान किए गए, उसे देखकर किसी भी आम आदमी का दिमाग चकरा जाए। रेलवे बोर्ड के वाणिज्य विभाग के स्पष्ट और कड़े नियमों के अनुसार रेलवे स्टेशनों या ट्रेनों में यात्रियों को मात्र 5 रुपये में चाय और 10 रुपये में कॉफी मिलनी चाहिए। परंतु गांधीधाम के इस सरकारी कार्यक्रम में कागजों पर 20 रुपये के हिसाब से चाय और



30 रुपये के हिसाब से कॉफी के बिल बनाकर उसका भारी-भरकम भुगतान भी कर दिया गया। जो अधिकारी देश भर में रेलवे के नियमों का पालन कराने की जिम्मेदारी संभालते हैं, वे ही खुलेआम रेलवे के अपने नियमों को घोलकर पी गए हैं और सरकारी धन का बेहिस्साब दुरुपयोग किया है। यह तो महज एक शुरुआत थी, असली घोटाला तो नाश्ते के बॉक्स में किया गया है। उसी कार्यक्रम में मेहमानों और अधिकारियों के लिए नाश्ते के बॉक्स मंगावाए गए थे। इस बॉक्स के अंदर केवल चार नग चिप्स, चार नग नमकीन काजू,

अहमदाबाद के कृष्णनगर के चित्रकुट औंडा फ्लैट में खूनी खेल जैसा माहौल: बेलगाम बने असामाजिक तत्वों के बीच रक्षसी मारपीट से स्थानीय लोगों में सन्नाटा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर के पूर्वी क्षेत्र में कानून व्यवस्था की स्थिति को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। कृष्णनगर पुलिस स्टेशन की हद में आने वाले संवेदनशील चित्रकुट औंडा फ्लैट परिसर में मारपीट की एक बेहद उतेजक और झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। आम दिनों की तरह गुलजार रहने वाले इस आवासीय क्षेत्र में अचानक ही हिंसा का विस्फोट होने से आसपास के रहवासियों में भारी खौफ और सनसनी फैल गई है। लोगों के घर के दरवाजे तक पहुंची इस हिंसा ने साबित कर दिया है कि शहर में अपराधियों को पुलिस या कानून का कोई डर नहीं रहा है। प्राप्त विवरण के अनुसार, चित्रकुट औंडा फ्लैट के अंदर अचानक ही दो गुटों या असामाजिक तत्वों के बीच उग्र

कहामुनी के बाद मामला इतना बिगड़ गया कि खूनी संघर्ष शुरू हो गया। फ्लैट के कपाउंड में खुलेआम चले इन हंगामों और मारपीट के दृश्यों को देखकर आम परिवार और महिलाएं तथा बच्चे डरकर घरों के अंदर दुबकने को मजबूर हो गए। घनी आबादी वाले क्षेत्र में इस प्रकार खुलेआम हथियारों या डंडों के उछलने की घटनाओं से सुरक्षा पर बड़ा प्रश्नचिह्न लग गया है। घटना की गंभीरता को देखते हुए तुरंत स्थानीय लोगों द्वारा पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही कृष्णनगर पुलिस स्टेशन का अमला घटनास्थल पर पहुंच गया और मामले को शांत कराने के लिए जांच शुरू कर दी। पुलिस के पहुंचते ही हमलावर वहां से फरार हो गए, लेकिन इस मारपीट के पीछे का असली कारण अभी रहस्य के घेरे में है। क्या यह किसी पुरानी रंजिश का परिणाम है, मामूली कहामुनी का गुस्सा है या फिर कोई

असामाजिक गतिविधियों का नेटवर्क चल रहा है, इस बारे में पुलिस गहराई से जांच कर रही है। इस घटना में कौन-कौन शामिल है और कौन से सिरफिरे तत्व इस हिंसा के पीछे जिम्मेदार हैं, उनकी कुंडली खंगाली जा रही है। घटनास्थल पर मौजूद लोगों में भारी रोष देखा जा रहा है क्योंकि औंडा फ्लैटों जैसे क्षेत्रों में गरीब और मध्यम वर्ग के लोग शांति से रहने के लिए मजबूर होते हैं, लेकिन इस तरह के अपराधी उनकी शांति छीन रहे हैं। ‘पावको गुजरात’ के पाठक समझ सकते हैं कि अगर पुलिस ऐसे तत्वों पर कड़ी कार्रवाई नहीं करेगी, तो अपराधियों के हौसले और बुलंद होंगे। पुलिस जांच पूरी होने के बाद इस मामले में क्या बड़े खुलासे होते हैं और कितने आरोपी सलाखों के पीछे पहुंचते हैं, यह देखना बाकी है, लेकिन स्थानीय लोग अब इस स्थायी आतंक से मुक्ति चाहते हैं।

अहमदाबाद, (बुधवार)
30 सितंबर 2026

92 गवाहों का होस्टाइल होना कोई आम बात नहीं ‘–जस्टिस बागची की लाल आँख ने कानूनी जगत में मचाया हड़कंप

92 गवाहों का होस्टाइल होना कोई आम बात नहीं ‘–जस्टिस बागची की लाल आँख ने कानूनी जगत में मचाया हड़कंप



22 आरोपियों की मुक्ति के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका

पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, सोहराबुद्दीन शेख एनकाउंटर केस में 22 आरोपियों को बरी करने के बॉम्बे हाईकोर्ट के पिछले फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई शुरू कर दी है। इन 22 आरोपियों में से 21 तो पुलिसकर्मी ही हैं, जिन पर कानून के रक्षक बनकर कानून अपने हाथ में लेने के गंभीर आरोप थे। किसने की याचिका? सोहराबुद्दीन शेख के भाई नायबुद्दीन शेख द्वारा हाईकोर्ट के 7 मई के फैसले को चुनौती देते हुए स्पेशल लीव पिटिशन दाखिल की गई थी। किसकी बेंच के समक्ष सुनवाई? चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमालिया बागची तथा जस्टिस वी. मोहन की विशेष बेंच ने इस मामले का गंभीर संज्ञान लेते हुए नॉटिस जारी किया है।

नारोल में स्कूल से घर लौट रहे बच्चे का गला लिफ्ट में फंस गया, 12 साल के मासूम की दर्दनाक मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। नारोल में शांति शुक सोसायटी में लिफ्ट का एक्सीडेंट हुआ। स्कूल से घर लौटते समय 12 साल का बच्चा लिफ्ट में फंस गया। टेंबिनकल खराबी की वजह से लिफ्ट अचानक क्रैश हो गई और बच्चे का गला फंस गया। गंभीर चोटों की वजह से उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। इस घटना से सोसायटी में मातम का माहौल बन गया। लिफ्ट के सही मटेनेंस और बच्चों की सेफ्टी को लेकर चिंताएं बढ़ गईं।रू शहर के नारोल इलाके में शांति शुक सोसायटी में लिफ्ट एक्सीडेंट में 12 साल के मासूम की जान चली गई है। स्कूल से पढ़ाई पूरी करके घर लौट रहे इस बच्चे ने ऊपर की मंजिल पर जाने के लिए लिफ्ट का इस्तेमाल किया था। इसी बीच अचानक टेंबिनकल खराबी की वजह से लिफ्ट धमाके के साथ नीचे गिर गई, जिससे बच्चे का गला लिफ्ट में फंस गया। लिफ्ट में गला फंसने से मासूम बच्चे को गंभीर चोटें आईं, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। अचानक हुई इस घटना से सोसायटी में अफरा-तफरी और मातम का माहौल बन गया। आसपास के लोग तुरंत मदद के लिए दौड़े, लेकिन बच्चे को बचाया नहीं जा सका।

व्यक्तिगत रंजिश में रौनक पंचाल और उसके अपराधी दोस्तों ने वाहनों में की बेतहशा तोड़फोड़, मुख्य आरोपी अरुण आहिर सलाखों के पीछे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर के पूर्वी क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की धज्जियां उड़ाने वाली एक और झकझोर देने वाली घटना वटवा क्षेत्र से सामने आई है। वटवा में स्थित गुलजार उत्सव फ्लैट परिसर में देर रात असामाजिक तत्वों द्वारा मचाए गए आतंक के कारण आसपास के रहवासियों में भारी खौफ और रोष का भावना फैल गई है। आम और निदोष नागरिकों द्वारा अपनी मेहनत की कमाई से खरीदे गए वाहनों को निशाना बनाकर जिस तरह का खौफनाक माहौल पैदा किया गया है, उसने एक बार फिर साबित कर दिया है कि शहर में सिरफिरे तत्वों को पुलिस का कोई डर नहीं रहा है। प्राप्त विवरण के अनुसार, इस पूरी हिंसक और तोड़फोड़ की घटना के पीछे रौनक पंचाल नामक व्यक्ति की व्यक्तिगत रंजिश जिम्मेदार है। रौनक पंचाल ने अपनी किसी पुरानी या नई रंजिश का बदला लेने के लिए अपने कुछ अपराधिक मानसिकता वाले दोस्तों को साथ लिया और उत्सव फ्लैट के कपाउंड में घुस आए। बिना किसी डर के इस गिरोह ने फ्लैट की पार्किंग में खड़ी गाड़ियों और मोटरसाइकिलों को निशाना बनाकर लोहे के डंडों और लाठियों से भारी तोड़फोड़ शुरू कर दी। वाहनों के कांच फोड़ दिए गए और बांडी को तोड़कर भारी नुकसान पहुंचाया गया, जिसके कारण रात में सो रहे रहवासी डरकर घरों से बाहर दौड़ आए। घटना की गंभीरता को देखते हुए तुरंत स्थानीय पुलिस को सूचना दी गई, जिसके चलते वटवा पुलिस स्टेशन का अमला घटनास्थल पर पहुंच गया। पुलिस ने रहवासियों की शिकायत के आधार पर कड़ी कार्रवाई करते हुए कुल 4 नामजद आरोपियों और अन्य अज्ञात तीन व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज कर कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस की शुरुआती कार्रवाई में ही इस अपराध में शामिल अरुण आहिर नामक आरोपी को दबोचकर सलाखों के पीछे धकेल दिया गया .

लोकतंत्र का ह्रास और व्यवस्था की गुलामी

असहमति जताने वाले प्रामाणिक अधिकारियों पर प्रशासनिक प्रताड़ना और सरकारी ताबेदारों पर बरसे करोड़ों के आशीर्वाद

देश के लोकतंत्र के आधार स्तंभ माने जाने वाली संस्थाएँ आज सत्ता के जोर पर कैसे घुटनों पर ला दी गई हैं, इसका जीवंत और दिल दहला देने वाला उदाहरण हमारे सामने है। वर्ष 2019 में तत्कालीन चुनाव आयुक्त अशोक लवासा द्वारा दी गई ‘डिसेंट नोट’ (अहमति नोट) इस देश के राजनीतिक इतिहास का एक ऐसा काला अध्याय है, जो यह साबित करता है कि यदि कोई अधिकारी संविधान के प्रति वफादार रहने की भूल करे, तो सत्ताधारी उसका जीवन कैसे नर्क बना देते हैं।

अशोक लवासा पर प्रताड़ना का प्रहार: ईमानदारी की सजा कैसे दी जाती है?

जब अशोक लवासा ने चुनाव के दौरान विरोधाभासी मुद्दों पर अपनी असहमति दर्शाई, तब सरकारी तंत्र ने अपनी ताकत का दुरुपयोग करने में कोई कसर नहीं छोड़ी: परिवार पर हमला: लवासा की पत्नी के खिलाफ 20 साल पुराना दबा हुआ मामला अचानक खोलकर जाँच एजेंसियों को पीछे लगा दिया गया।

सगे-संबंधी भी निशाने पर: उनकी बहन के घर पर आयरकर की रेड डलवाई गई और उनके युवा बेटे को एक प्राइवेट कंपनी की नौकरी से जबरन निकाल दिया गया।

अंततः निष्कासन: इतना ही नहीं, लगातार मानसिक दबाव बढ़ाकर उन्हें सेवामुक्त होने के लिए मजबूर किया गया। यह भयानक उदाहरण नजर के सामने हो तो सवाल यह उठता है कि बाकी चुनाव आयुक्त चुप क्यों रहें? मुख्य चुनाव आयुक्त को छोड़कर अन्य आयुक्तों को हटाने के लिए केवल मुख्य चुनाव आयुक्त की सिफारिश ही काफी होती है, जहाँ सरकार जब चाहे उन्हें पद से हटा सकती है। यह तलवार हमेशा गले पर लटकी रहने के कारण कोई भी आवाज उठाने की हिम्मत नहीं कर पाता। चापलूसी का भव्य इनाम: राजीव कुमार बने HDFC बैंक के चेयरमैन!

एक तरफ अशोक लवासा जैसे अधिकारी कमरतोड़ प्रताड़ना का शिकार बनते हैं, तो दूसरी तरफ सत्ता की हँ में हँ मिलाने वालों को कैसे शाही पुरस्कार मिलते हैं, इसका जीवंत उदाहरण राजीव कुमार हैं।

वर्ष 2021 से 2025 तक मुख्य चुनाव आयुक्त के रूप में सरकार के हर इशारे पर नाचने और आँखें मूँदने वाले राजीव कुमार को अपनी सेवाओं का ‘भारी फल’ मिला है। सेवानिवृत्ति के बाद उन्हें सीधा देश के सबसे बड़े प्राइवेट बैंकों में से एक ऐसे HDFC बैंक के चेयरमैन के रूप में नियुक्त कर दिया गया! यह घटना साबित करती है कि व्यवस्था में वफादारी किसके प्रति होनी चाहिए—जनता के या सत्ता के सिंहासन के? वर्ष 2023 का काला कानून: अपराधों को कानूनी कवच और ‘राक्षसी राज’ वर्ष 2023 में एक ऐसा कानून अस्तित्व में लाया गया, जो चुनाव आयुक्तों को पद पर रहते हुए गैर-संविधान सम्मत कार्य करने के बावजूद नौकरी के दौरान और सेवानिवृत्ति के बाद भी कोर्ट केंसों से पूर्ण सुरक्षा प्रदान करता है। यह कानून न केवल संविधान का, बल्कि मानव समाज के नैतिक मूल्यों का भी खुला अपमान है।

यदि कोई व्यक्ति नियमों को ताक पर रखकर, देश के कानून की धज्जियाँ उड़ाकर भी सत्ताधीशों के व्यक्तिगत हित साथे और उसके बावजूद कानून के शिकजे से बचा रहे, तो इसे लोकतंत्र नहीं बल्कि ‘रावण का राक्षसी राज’ ही कहा जा सकता है। इस प्रकार के अनैतिक कृत्यों का बचाव करने वाले लोग अंधे भक्त नहीं, बल्कि ऐसे चरित्र हैं जो खुलेआम लोकतंत्र की धज्जियाँ उड़ते देखना चाहते हैं। हिंदू राष्ट्र या हिंदू राजनीति के नाम पर किए जाने वाले ये तमाम कृत्य आने वाली पीढ़ियों के लिए और हमारे गौरवशाली इतिहास के लिए एक कलंक साबित होंगे।

‘जब कानून और संविधान के रक्षक ही भक्षक बन जाएँ, तब न्याय की उम्मीद करना केवल मूर्खता है। लोकतंत्र के इस चीरहरण के इतिहास को जनता कभी माफ नहीं करेगी!’

महंगाई बनाम आम आदमी

महंगाई ने कबाड़ा कर दिया...क्या खरीदें और क्या न खरीदें, कुछ समझ नहीं आ रहा है! यह बिल तो मेरा बजट ही नहीं, पूरी जिन्दगी ही बिगाड़ देगा!

(बुधवार) 30 सितंबर 2026

मेघ

कामकाज में गति आणी और केके हुए कार्य आगे बढ़ेंगे। धन संचयनी मामलों में सावधानी रखें परिवार का सहयोग मिलेगा

वृषभ

नए लोगों से संपर्क लाभ दे सकते हैं। व्यापार में सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। वपत्य जीवन में आपसी समझ बेहतर होगा

मिथुन

आज मेहनत का अच्छा परिणाम मिल सकता है। नौकरी-व्यवसाय में नई जिम्मेदारी मिलेगी।

सिंह

महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता के योग है। किसी पुराने परिचित से जुड़ावत हो सकते हैं। व्यापार में सौच-समझदारी निर्णय ले

तुला

दिन सामान्य रहेगा, लेकिन कार्यक्षेत्र में आकर निर्णय लेने से बचें। परिवार में सुखद माहौल रहेगा और काम में सहयोग मिलेगा

धनु

आत्मविश्वास बढ़ेगा और कार्यक्षेत्र में अपनी बात को महत्व मिलेगा। धन लाभ के अवसर बन सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें

कुंभ

योजनाओं को पूरा करने के लिए आज अच्छा समय है। नौकरी में प्रगति के अवसर मिलेंगे। परिवार से जुड़ा कोई निर्णय सौच-समझकर लें

वृश्चिक

शहान के अनुसार परिणाम मिलने की संभावना है। रुका हुआ पैसा मिल सकता है। किसी विवाद में शांत रहकर निर्णय लेना बेहतर रहेगा

कर्क

आज नई योजना पर काम शुरू कर सकते हैं। करियर में आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। यात्रा से जुड़ा कोई महत्वपूर्ण काम पूरा हो सकेगा

कन्या

आज नई योजना पर काम शुरू कर सकते हैं। करियर में आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। यात्रा से जुड़ा कोई महत्वपूर्ण काम पूरा हो सकेगा

वृश्चिक

कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारियाँ बढ़ सकती हैं, लेकिन आप उन्हें अच्छे से संभाल पाएंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत हैं

मकर

दिन उसाह से भरा रहेगा। रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा और कोई अच्छी खबर मिल सकती है

मकर

दिन उसाह से भरा रहेगा। रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा और कोई अच्छी खबर मिल सकती है

मीन

परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा। नौकरी-व्यवसाय में सामान्य स्थिति रहेगी। वपत्यजी से बचें और स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें

पसंदीदा इंसान को Special Feel कराना

क्यों जरूरी है? रिश्तों की गहराई और सच्चा अर्थ

मानव जीवन का सबसे खूबसूरत, नाजुक और अनमोल हिस्सा है हमारे रिश्ते। प्यार हो, गहरी दोस्ती हो या खून का कोई खास रिश्ता—हमारे दिल के सबसे करीब रहने वाला इंसान जिंदगी को असल मायने देता है। लेकिन वक्त के साथ अक्सर रिश्ते एक अनकहे सवाल पर आकर ठहर जाते हैं ‘क्या हम जिससे प्यार करते हैं, उसे खास होने का एहसास बार-बार कराना वाकई जरूरी है?’

जवाब बिल्कुल साफ़ है—हाँ। रिश्ते को सिर्फ ज़िंदा रखने के लिए ही नहीं, बल्कि उसे हमेशा तरोताज़ा और जीवंत बनाए रखने के लिए यह बेहद जरूरी है। भावनाओं को सिर्फ दिल में दबाए रखने से रिश्ते नहीं टिकते; उन्हें सही देखभाल और शब्दों के ज़रिए जाहिर करना भी उतना ही आवश्यक है।

खामोशी की गलतफ़हमी: अनकहा प्यार कभी-कभी उपेक्षा बन जाता है हम अक्सर एक सहज भूल कर बैठते हैं और मान लेते हैं कि ‘वो तो जानता ही है कि मैं

उससे कितना प्यार करता हूँ, रोज-रोज कहने की क्या जरूरत? लेकिन रिश्तों में ज़्यादातर दरारें यहीं से शुरू होती हैं। हर कोई मन पढ़ना नहीं जानता। दिल में चाहे कितना भी प्यार या सम्मान क्यों न हो, अगर वह सामने वाले तक पहुँचे ही नहीं, तो धीरे-धीरे वह खामोशी उपेक्षा (अकेलापन) जैसी लगने लगती है। अगर आप किसी की कद्र करते हैं, उसकी तरक्की से खुश होते हैं या उसकी फ़िक्र करते हैं, तो खुलकर कह दीजिए: ‘तेरे होने से मेरी ज़िंदगी और खूबसूरत है।’ ‘तेरी मेहनत मुझे बहुत प्रेरणा देती है।’ ‘परिस्थिति चाहे जैसी भी हो, मैं हमेशा तेरे साथ हूँ।’

ऐसे सीधे और सच्चे शब्द रिश्ते में अटूट सुरक्षा और अपनापन भर देते हैं। स्पेशल फील कराने का सही तरीका किसी को खास महसूस कराने का मतलब यह कभी नहीं होता कि आप उसे खुश रखने के लिए खुद की पहचान खो दें, या फिर महंगे तोहफ़ों और दिखावटी सरप्राइज़ के पीछे भागें। खास होने का सच्चा एहसास यानी: ध्यान से सुनना: दिन के अंत में मोबाइल एक तरफ रखकर सिर्फ 15 मिनट उसकी आँखों में देखकर उसकी पूरे दिन की बातें सुनना। मेहनत और मौजूदगी की कद्र करना: उसकी छोटी-छोटी खुशियों में शामिल होना और थके हुए पलों में धीरे से पूछना, ‘सब ठीक है ना?’ आम दिनों में याद करना: सिर्फ त्योहारों या काम के वक्त ही नहीं, बल्कि अचानक एक छोटा सा मैसेज कर देना—‘खाना खा लिया ना?’ या ‘बस, यँ ही तुम्हारी याद आई।’ उसकी पसंद की एक कप चाय बना देना या उसकी पसंदीदा डिश मंगवा लेना। कभी-कभी दिल से कही गई एक बात—‘तुमसे बात करके मेरी पूरी थकान उतर जाती है’—दुनिया के किसी भी मर्गो तोहफ़े से बड़ा जादू कर जाती है। किसी को खास बनाने के लिए बड़ी चीज़ों की दरकार नहीं होती; सच्ची भावना

से की गई छोटी-छोटी देखभाल ही दिल जीतने के लिए काफी है। आज के भागदौड़ भरे दौर का सबसे कीमती तोहफ़ा आज के समय में लोगों के पास धन-दौलत से भी ज़्यादा किरल्लत ‘वक्त’ की है। इसलिए जब कोई इंसान अपनी व्यस्तता, काम के दबाव और थकान के बीच से आपके लिए समय निकालता है, तब यह साबित होता है कि आप उसकी प्राथमिकता हैं। कोई पूरा दिन आपसे बात करे यह जरूरी नहीं; दिन में बस पाँच मिनट की सच्ची और बेबाक बातचीत भी पूरे दिन का बोझ हल्का कर देती है। स्पेशल फील कराने और चापलूसी के बीच का फ़र्क़ यह अंतर समझना रिश्ते की परिपक्वता (स्लूहहहहह4) के लिए बहुत जरूरी है: चापलूसी कहती है: ‘तुम जो भी करते हो, सब सही है।’ (यह स्वार्थ या दिखावा है)। सच्ची भावना कहती है: ‘मैं हर हाल में तुम्हारे साथ हूँ, लेकिन जहाँ तुम गलती करोगे, वहाँ सही राह दिखाने की हिम्मत भी मैं ही रखूँगा।’ पसंदीदा इंसान को खास महसूस कराना अंधा समर्थन नहीं, बल्कि सच्चाई और सम्मान से भरी देखभाल है। जो आपकी हर गलती पर भी ‘हाँ’ में ‘हाँ’ मिलाए, वह आपका शुभचिंतक नहीं हो सकता; बल्कि जो आपकी गलती पर सही रास्ता दिखाकर साथ खड़ा रहे, वही सच्चा अपना है। आत्मसम्मान की सीमा किसी को प्यार देना और स्पेशल फील कराना बहुत खूबसूरत बात है, लेकिन अपना मान और आत्मसम्मान खोकर नहीं। रिश्ता दो पहियों का रथ है। परवाह, सम्मान और कोशिशें हमेशा दोनों तरफ से होनी चाहिए। अगर आप लगातार किसी को खुश रखने के लिए अपनी भावनाएँ दबा रहे हैं, हर बार पहल आपको ही करनी पड़ रही है और बदले में सिर्फ उपेक्षा मिल रही है, तो वहाँ ठहरकर सोचना जरूरी है। जहाँ एक ही इंसान लगातार देता रहे और दूसरा सिर्फ लेता रहे, वहाँ समय के साथ भावनाएँ थक जाती हैं और रिश्ते दम तोड़ देते हैं।

सच्चा रिश्ता वह नहीं जहाँ अपनी अहमियत साबित करने के लिए रोज जूझना पड़े; सच्चा रिश्ता वह है जहाँ दोनों इंसान एक-दूसरे की कद्र सहजता से समझें। अक्सर उपेक्षा से बिखरते हैं रिश्ते रिश्ते अचानक हुए झगड़ों से नहीं टूटते; वे टूटते हैं छोटी-छोटी बातों की लगातार अनदेखी से। शुरुआत में जिस रिश्ते में रोज पूछा जाता था— ‘घर पहुँच गए?’ , ‘तबीयत कैसी है?’ , ‘खाना खाया या नहीं?’ —वक्त के साथ वही सवाल बंद हो जाते हैं। रिश्ते में दूरी प्यार खत्म होने से नहीं आती, बल्कि प्यार और परवाह जाहिर करना बंद कर देने से आती है। रिश्ते पीथों की तरह होते हैं; अगर उन्हें रोज समझ, परवाह और स्नेह का पानी न दिया जाए, तो वे धीरे-धीरे सूख जाते हैं। अंत में बस इतना ही... इस दुनिया में हर इंसान को कभी न कभी यह महसूस होना अच्छा लगता है कि: ‘कोई तो है जिसे मेरी खुशी, मेरे गम और मेरी मौजूदगी से सच में फ़र्क पड़ता है।’ पसंदीदा इंसान को खास होने का एहसास कराना कोई अहसान या सामाजिक औपचारिकता नहीं है, बल्कि उन्हें यह बताने का सबसे खूबसूरत तरीका है कि हमारे जीवन में उनका स्थान अनमोल है। तोहफ़े से बड़ी भावना है, शब्दों से बड़ी समझ है, सिर्फ वक्त देने से बड़ी मानसिक मौजूदगी है, और दिखावे से बड़ी दिल से की गई सच्ची परवाह है। ‘जो इंसान आपकी ज़िंदगी में सचमुच खास है, उसे इस बात का एहसास कराने में कभी देर मत कीजिए; क्योंकि भावनाएँ मन में दबाकर रखने से नहीं, बल्कि सही वक्त पर बहा देने से ही रिश्ते अमर बनते हैं।’

— दर्शना पटेल (नेशनल मेडलिस्ट, नेशनल अवॉर्ड से सम्मानित) स्पোর্ट्स टीचर

बिहार में अजब प्रेम की गजब कहानी: 60 साल के पंकू सिंह और 23 साल की वर्षा रानी की शादी का वीडियो वायरल

पहले पति द्वारा ठुकराए जाने के बाद पीड़ित युवती ने लिया बड़ा फैसला

लखीसराय। सोशल मीडिया के इस दौर में कब कौन सा किस्सा वायरल हो जाए और लोगों को हैरान कर दे, कुछ कहा नहीं जा सकता। बिहार के लखीसराय जिले से प्रेम, संघर्ष और अजीबोगरीब परिस्थितियों से घिरे एक विवाह ने इन दिनों सोशल मीडिया पर धमाल मचा दिया है। यहाँ 60 वर्षीय पंकू सिंह और 23 वर्षीय वर्षा रानी की शादी का वीडियो इंटरनेट पर वायरल होते ही सनसनी फैल गई है। इस वीडियो में यह जोड़ा हिंदू रीति-रिवाजों के अनुसार शादी की रस्में निभाते और फेरे लेते हुए साफ नजर आ रहा है। कहीं और कैसे हुई यह चर्चित शादी? प्राप्त विवरण के अनुसार, यह विवाह बिहार के लखीसराय के अर्तागत आने वाले अभयपुर के पीरीबाजार क्षेत्र के रामपुरा गाँव में संपन्न हुआ है। गाँव में इस अनोखी शादी की चर्चाएँ जोर-शोर से चल रही हैं। इस मामले में गाँव

के मुखिया (सरपंच) द्वारा बयान देते हुए बताया गया है कि इस दंपती ने बिना किसी दबाव के अपनी स्वेच्छा से शादी की है और यह उनका पूरी तरह से निजी मामला है। कौन हैं वर्षा रानी? और किन परिस्थितियों में उठाना पड़ा यह कदम? इस शादी के पीछे की कहानी बेहद संवेदनशील और दिल दहला देने वाली है। सूत्रों और रिपोर्टों के अनुसार, 23 वर्षीय वर्षा रानी की पहले भी शादी हो चुकी थी। उनकी पहली शादी मुंगेर के कल्याणपुर क्षेत्र में हुई थी और उनकी एक छोटी बेटी भी है। वर्षा ने अपनी आपबीती बताते हुए कहा था कि ससुराल के घर में अचानक लगी आग की दुर्घटना में वह गंभीर रूप से झुलस गई थीं। इस भयानक हादसे के बाद उनके पति और ससुराल वालों ने उन्हें अपनाने से साफ़ इनकार कर दिया और उन्हें

बेसहारा छोड़ दिया। जीवन के ऐसे मुश्किल और निराशाजनक दौर में, कठिन परिस्थितियों का सामना कर रही वर्षा ने अपने भविष्य के लिए यह बड़ा फैसला लिया और पंकू सिंह के साथ विवाह करने का रास्ता चुना। धृष्टक्य सुप्रिया कुमारी द्वारा भी वर्षा की उम्र 23 वर्ष होने की पुष्टि की गई है। सोशल मीडिया पर वायरल पोस्ट और लोगों की प्रतिक्रियाएँ इस शादी का वीडियो सामने आने के बाद फेसबुक और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मस पर डूबदूबदुध श्रृंखलाहृदहृद और वीडियो बहुत तेजी से वायरल हो रहे हैं। उम्र का बड़ा अंतर (60 साल बनाम 23 साल) होने के बावजूद दोनों द्वारा उठाए गए इस कदम ने सोशल मीडिया यूजर्स को दो हिस्सों में बांट दिया है। कुछ लोग इस स्थिति के पीछे के सामाजिक और पारिवारिक संघर्षों की चर्चा कर रहे हैं, तो कुछ लोग इस

मामले पर तीखी प्रतिक्रियाएँ दे रहे हैं। फिलहाल बिहार समेत पूरे देश में भारी वजह जो भी हो, लेकिन इस किस्से ने कौतूहल पैदा कर दिया है।

नियमों और ज़ुर्माने की यह उल्टी गंगा क्यों?

ट्रैफिक ज़ुर्माना बिजली बिल में जोड़ने की बात करने वाला तंत्र

पहले अपनी न्यायिक धीमी गति पर ज़ुर्माना क्यों नहीं वसूलता?

देश की सर्वोच्च अदालत के मुख्य न्यायाधीश द्वारा हाल ही में एक ऐसा बयान सामने आया है कि यदि लोग ट्रैफिक का ज़ुर्माना समय पर नहीं चुकाते हैं, तो उस ज़ुर्माने की राशि सीधे उनके बिजली बिल में जोड़ देनी चाहिए, ताकि अनिवार्य रूप से बिजली बिल के साथ ज़ुर्माने की राशि भी वसूली जा सके। इस बयान से सामने आने के बाद देश भर में और आम जनता के बीच जोरदार चर्चाएँ शुरू हो गई हैं। आम जनता सवाल कर रही है कि क्या सरकार और न्यायपालिका के पास नागरिकों से पैसे निकलवाने के ही शॉर्टकट बचे हैं? इस बयान को लेकर जनता में भारी रोष देखा जा रहा है, क्योंकि यदि जुर्माना वसूलने की इतनी ही चिंता है, तो क्या आम जनता को समय पर न्याय देने की जिम्मेदारी में तंत्र के विफल होने पर उस पर कोई जुर्माना क्यों नहीं लगाया जाता? आम नागरिक और सोशल मीडिया पर उठ रही आवाज़ें अब सीधे और सटीक सवाल पूछ रही हैं कि इस नियम से किसी को कोई आपत्ति नहीं होती, यदि न्यायपालिका खुद भी अपनी जिम्मेदारियों के लिए उतनी ही सख्त बनती। जनता की ओर से बहुत ही तार्किक और मजबूत शर्तें रखी जा रही हैं, जिनमें सरकार और न्यायपालिका दोनों को गंभीरता से लेना

होगा। पहली शर्त यह है कि यदि ट्रैफिक ज़ुर्माना बिजली बिल में जोड़ने का नियम जनता पर लागू होता है, तो आज से ही न्यायपालिका पर भी यही नियम लागू होना चाहिए। देश की विभिन्न अदालतों में जो मामले एक वर्ष या उससे अधिक समय से पेंडिंग पड़े हैं और धूल फांक रहे हैं, उन सभी पेंडिंग मामलों पर सालाना पचास हजार रुपये का जुर्माना न्यायपालिका या जिम्मेदार सिस्टम पर लगाया जाना चाहिए। दूसरी और सबसे बड़ी बात यह है कि वर्षों तक तारीख पर तारीख मिलने वाले मामलों के कारण पीड़ित परिवारों का जीवन बर्बाद हो जाता है। यदि कोई न्यायाधीश या अदालत तय समय सीमा में मामले का समाधान लाने में विफल रहती है, तो उस न्यायाधीश या जिम्मेदार अधिकारी के मासिक वेतन से एक निश्चित हिस्सा सीधे पीड़ित परिवार को मुआवजे के रूप में मिलना चाहिए। यदि न्याय पाने में होने वाले वर्षों के विलंब के लिए सिस्टम की जिम्मेदारी तय की जाए और उन पर आर्थिक जुर्माना लगाया जाए, तो शायद अदालतों में मामले तेजी से सुलझने लगेंगे और लाखों लोगों को न्याय के लिए दर-दर नहीं भटकना पड़ेगा। यदि ये दो न्यायसंगत और संतुलित शर्तें न्यायपालिका और शसन प्रणाली पर सख्ती से लागू कर

दी जाएँ, तो भारत का कोई भी आम नागरिक ट्रैफिक या किसी अन्य प्रकार का जुर्माना भरने में कभी नाराजगी नहीं जताएगा। जनता हमेशा कानून का पालन करने के लिए तैयार है, लेकिन कानून की तलवार केवल आम और गरीब जनता की गर्दन पर ही लटकती रहे और न्याय देने की गति कछुए जैसी धीमी हो, तो यह लोकतंत्र के लिए घातक है। माध्यम से सरकार और जिम्मेदार पदों पर बैठे लोगों तक यह आवाज़ पहुँचाना अनिवार्य हो गया है कि नियम दोनों पक्षों के लिए समान होने चाहिए, एकतरफा अत्याचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बेला एस्टेट में 728 में से 727 नाम वोटर लिस्ट से गायब होने का दावा, राहुल गांधी ने SDM को फोन कर उठाए सवाल

दिल्ली में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर विवाद के बीच कांग्रेस सांसद राहुल गांधी सोमवार को यमुना किनारे स्थित बेला एस्टेट की झुग्गी बस्ती पहुंचे। राहुल गांधी ने दावा किया कि बस्ती में रहने वाले 728 लोगों में से एसआईआर के बाद मतदाता सूची में केवल एक नाम रह गया, जबकि 727 नाम सूची से हटा दिए गए। उन्होंने मौके पर लोगों से बातचीत की और वॉट से एसडीएम को फोन कर इस मामले पर सवाल उठाए। राहुल गांधी के अनुसार, बस्ती के लोग कई दशकों से यहां रह रहे हैं और 2024 के लोकसभा चुनाव 2025 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में मतदान कर चुके हैं। उन्होंने यह भी कहा कि 2023 में उनके घर तोड़े गए थे, लेकिन इसके बावजूद वे इलाके में ही रह रहे हैं। एसडीएम से बातचीत के दौरान राहुल ने सवाल किया कि किसी व्यक्ति के पास मकान होने या नहीं होने का उसक मतदान के अधिकार से क्या संबंध है। बातचीत के दौरान उन्होंने अधिकारी से उनका नाम पृष्ठते हुए कहा कि वह इस मामले को दूसरे तरीके से देखेंगे। हालांकि, चुनाव आयोग ने राहुल गांधी के दावे पर स्पष्टीकरण दिया है। आयोग के मुताबिक बेला एस्टेट के 728 मतदाताओं में से 727 को एसआईआर के दौरान एसडीडी यानी अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत या दोहरी प्रविष्टि वाली श्रेणी की सूची में रखा गया है। दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी की ओर से यह भी कहा गया कि इलाके में 2022-23 के दौरान मकान तोड़े गए थे और संबंधित मतदाताओं को पुनः पंजीकरण की प्रक्रिया के तहत आवेदन करने का विकल्प उपलब्ध है। दिल्ली में जारी एसआईआर के ड्राफ्ट वोटर रोल को लेकर भी बड़े आंकड़े सामने आए हैं। 31 अगस्त को जारी मसौदा सूची में करीब 97.5 लाख मतदाता शामिल किए गए, जबकि पहले दिल्ली में करीब 1.45 करोड़ मतदाता थे।

यूपी/एमपी

संभल हिंसा मामले में सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, यूपी सरकार पर 10 लाख की कॉस्ट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। संभल हिंसा मामले में आरोपी मुल्ला अफरोज की राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत निवारक हिरासत को सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दिया है। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस शील नागू की पीठ ने उत्तर प्रदेश सरकार पर 10 लाख रुपये की कॉस्ट भी लगाई। कोर्ट ने कहा कि पुलिस हिरासत में दिए गए कथित कबूलनामों के आधार पर किसी व्यक्ति के खिलाफ निवारक हिरासत का आदेश नहीं दिया जा सकता। मुल्ला अफरोज ने अपनी हिरासत को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। इससे पहले इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जून 2026 में उनकी आजागी खारिज कर दी थी। इसके बाद उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में विशेष अर्जतिका याचिका दाखिल की। मुल्ला अफरोज को 13 अक्टूबर 2025 को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून की धारा 3(2) के तहत हिरासत में लिया गया था। उन्हें 2024 में संभल की शाही जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हुई हिंसा के मामले में आरोपी बनाया गया था। इस हिंसा में चार लोगों की मौत हुई थी। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट के सामने मुख्य सवाल यही था कि क्या पुलिस हिरासत में दिए गए कथित कबूलनामों को निवारक हिरासत का आधार बनाया जा सकता है। कोर्ट ने इस आधार को स्वीकार नहीं किया। 8 सितंबर को सुनवाई पूरी होने के बाद फैसला सुर्गतिर रखा गया था। मंगलवार को अदालत ने हिरासत आदेश रद्द करते हुए यूपी सरकार पर 10 लाख रुपये की कॉस्ट लगाई।

मेरठ में 16,726 मकानों पर बुलडोजर का खतरा,
उल्हेपुर की 100 कॉलोनियां भी निशाने पर



महानगर मेट्रो ब्यूरो

नरुड। सुप्रौम कोट के आदेश के बाद मेरु विकास प्राधिकरण (मेडा) में हलचल तेज हो गई है। जौन-ए में चिह्नित 16,726 भवनों का दोबारा सर्वे कराने की तैयारी है। इसका महकसद यह पता लगाना है कि इनमें से कौन से निर्माण प्राधिकरण की स्थापना से पहले के हैं और कौन बाद में बने। इसी के साथ किरौरी क्षेत्र के उल्तेपुर में 100 से अधिक अवैध कॉलोनियों और निर्माणों पर भी कार्रवाई की तैयारी शुरू हो गई है। मेडा अधिकारियों के मुताबिक, 16,726 भवनों की सूची में पुराने निर्माण भी शामिल हो सकते हैं। री-सर्वे के दौरान मौके की स्थिति और उपलब्ध रिकॉर्ड का मिलान किया जाएगा। स्थानीय स्तर पर दावा किया जा रहा है कि सूची में शामिल करीब 80 प्रतिशत भवन प्राधिकरण की स्थापना से पहले के हो सकते हैं, हालांकि इसकी पुष्टि दस्तावेजों और सर्वे के बाद ही होगी। भवन मालिकों से बैनमा, हाउस टैक्स रिकॉर्ड और अन्य पुराने दस्तावेज मांगे जा सकते हैं। जरूरत पड़ने पर मेडा की टीम मौके पर जाकर निर्माण की स्थिति भी देखेगी। इसके बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। उल्तेपुर में 100 से अधिक कॉलोनियों और निर्माणों को लेकर भी मेडा कार्रवाई की कार्ययोजना तैयार कर रहा है। कार्रवाई से पहले संश्लेषित जमीन और निर्माणों के रिकॉर्ड की जांच की जाएगी। स्थानीय प्रशासन और पुलिस के साथ समन्वय कर कार्रवाई किए जाने की तैयारी है। सुप्रौम कोर्ट के आदेश के बाद पिछले कुछ दिनों से जौन-ए, बी, सी और डी के लोग मेडा कार्यालय पहुंचकर अपने भवनों की स्थिति को लेकर जानकारी मांग रहे हैं। वहीं, किसानों ने भी मेडा उपाध्यक्ष संजय कुमार मीना से मुलाकात कर 10 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा और प्रस्तावित न्यायिक आयोग के सदस्यों से मुलाकात करने की मांग की। मेडा अधिकारियों का कहना है कि सुप्रौम कोर्ट के आदेश का पालन किया जाएगा और री-सर्वे के जिए पुराने तथा नए निर्माण की स्थिति स्पष्ट की जाएगी।

लखनऊ में मामूली विवाद के बाद युवक ने ग्रामीणों पर चढ़ाई लोडर गाड़ी



महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। मलिहाबाद क्षेत्र में सोमवार देर रात मामूली विवाद ने उस समय गंभीर रूप ले लिया, जब एक युवक ने चारपाई पर बैठे ग्रामीणों पर तेज रफ्तार लोहार बहाव चढ़ा दिया। अचानक हुए इस हमले में 60 वर्षीय ग्रामस्थालाल की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 6 अन्य ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद आरोपी वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाने के साथ मामले की जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि कुछ ग्रामीण पड़ोसी के घर के सामने चारपाई डालकर बैठे थे और आपस में बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान किसी बात को लेकर एक युवक से उनकी कहसुनी हो गई। शुरुआत में विवाद मामूली बताया जा रहा है। कहसुनी के बाद युवक वहां से चला गया, लेकिन कुछ देर बाद वह छोटा हाथी लोहार लेकर वापस चारपाई। ग्रामीण कुछ समझ पाते, इससे पहले ही ग्रामीण ने तेज रफ्तार लोहार चढ़ाकर पर बैठे लोगों की तरफ मोड़ दिया। वाहन की चपेट में आने से कई लोग घायल होकर जमीन पर गिर पड़े। अचानक हुई घटना से मौके पर चीख-पुकार मच गई और आसपास के ग्रामीण घटनास्थल की ओर दौड़े। लोहार की चपेट में आने से 60 वर्षीय ग्रामस्थालाल को गंभीर चोटें आईं और उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं, 6 अन्य ग्रामीण भी घायल हुए। स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। इसके बाद कसमंडी चौकी प्रभारी और मलिहाबाद थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से घायलों को नजदीकी अस्पताल भेजा, जहाँ उनका इलाज चल रहा है। घटना की सूचना मिलने के बाद एसपी मलिहाबाद और इस्पेक्टर सुंदर भाटी भी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और प्रत्यक्षदर्शियों से घटना की जानकारी ली। मृतक ग्रामलाल के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घटना के बाद गांव में तनाव की स्थिति को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस आरोपी की पहचान और उसके संभावित ठिकानों की जानकारी जुटा रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए संभावित स्थानों पर दबिश दी जा रही है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि विवाद किस बात को लेकर हुआ था और आरोपी ने किस वजह से ग्रामीणों पर वाहन चढ़ाया। फिलहाल घटना के बाद से आरोपी फरार है और पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई है।

UPI नहीं चल रहा, 35 हजार भेजें मंत्री राधा सिंह का WhatsApp हैक लोगों से मांगे पैसे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मेहर। मध्य प्रदेश शासन की पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री और मेहर जिले की प्रभारी मंत्री राधा सिंह भी साइबर अपराधियों के निशाने पर आ गईं। सोमवार शाम अज्ञात साइबर जालसाजों ने उनके आधिकारिक मोबाइल नंबर और व्हाट्सएप अकाउंट को हक कर लिया। इसके बाद हैकर्स ने मंत्री के संपर्क में मौजूद लोगों को उनके नंबर से सैसेज भेजकर पैसों की मांग शुरू कर दी। मंत्री के नंबर से भेजे गए संदेशों में लोगों को आपात स्थिति का हवाला देकर तत्काल राशि भेजकर के लिए कहा गया। इसी दौरान एक स्थानीय पत्रकार के मोबाइल पर भी मंत्री के नंबर से संदेश पहुंचा। संदेश में जालसाज ने कहा कि उसका यूपीआई

सुल्तानपुर में डबल मर्डर, शिक्षक पति-पत्नी को धारदार हथियार से हत्या

महानगर मेट्रो ब्यूरो



उत्तेजित होकर अपने बचपन में जो साक्षात्कार देखे गए थे, वे सचमुचे में अनेक निजी स्कूल परिसर में खूब से लयस्थल में प्रयोग में लाए जा रहे थे। हालाँकि, वे अनेक निजी स्कूल परिसर में खूब से लयस्थल में प्रयोग में लाए जा रहे थे। हालाँकि, वे अनेक निजी स्कूल परिसर में खूब से लयस्थल में प्रयोग में लाए जा रहे थे।

निजी विद्यालय चलाती थीं। दोनों लंबे समययुक्त रूप से इसी स्कूल परिसर में रहते थे। मंगलवार को सुबह दोनों के शव परिसर में अलग-अलग गलत स्थानों पर मिले। पुलिस के मुताबिक, मुकेश सिंह का शव स्कूल परिसर में करीब 1500 मीटर की दूरी पर मिला, जबकि उनकी पत्नी नीता का शव भी परिसर के भीतर ही पाया गया। दोनों के शरीर पर चोट के निशान मिले हैं। घटनास्थल की स्थिति और वहां मिले हथियारों का जांच के आधार पर पुलिस धारदार हथियार से हमला करने का किए जाने की आशंका जता रही है। बताया गया कि सुबह स्कूल के चालक को घरसे बुलाया गया। पहले घटना की जानकारी हुई। स्कूल परिसर में खून दिखाई देने के बाद उसने इसकी सूचना पुलिस के लोगों को दी। मुक्त के चाचा रामनिरमल सिंह के मुताबिक, सुबह स्कूल से खून निकलने की जानकारी मिली थी। इसके बाद

उज्जैन के सिद्धवट पर भी पिंडदान के लिए उमड़े श्रद्धालु

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उज्जैन। श्राद्ध पक्ष की शुरुआत के साथ ही बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन में पितरों के तर्पण और पिंडदान के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ अमलग्ने लगी है। देशभर में पिंडदान के लिए गये को प्रमुख तीर्थ माना जाता है, लेकिन उज्जैन के सिद्धवट की भी पितृ कर्मकांड में विशेष महत्व बताया जाता है। श्राद्ध पक्ष के दिवशानुशान शिप्रा नदी के तट पर श्रद्धालु अपने पूर्वजों की आत्मशान्ति के लिए तर्पण, पिंडदान और अन्य धार्मिक अनुष्ठान कर रहे हैं। श्रद्धालु सुबह से ही शिप्रा नदी के विभिन्न घाटों पर पहुंच कर रहे हैं। यहां पंडितों की मौजूदगी में अपने पूर्वजों के निमित्त तर्पण और पिंडदान कराया जा रहा है। धार्मिक कर्मकांड पूरा करने के बाद श्रद्धालु प्राचीन सिद्धवट मंदिर पहुंचकर पुजा-अर्चना कर रहे हैं। सिद्धवट के प्राचीन वटवृक्ष का पूजन कर लोग पितरों की शान्ति के लिए प्रार्थना कर रहे हैं और वटवृक्ष पर दूध भी अर्पित कर रहे हैं। सिद्धवट के साथ शिप्रा नदी के अन्य घाटों पर भी श्राद्ध कर्म का सिलसिला जारी है। अलग-अलग स्थानों पर पंडित अपने जजमानों से तर्पण, पिंडदान और अन्य



कर्मकांड करा रहे हैं। बताया गया है कि श्राद्ध पथ के दौरान यह धार्मिक गतिविधियाँ 10 अक्टूबर तक चलेंगी। इस दौरान देश के अलग-अलग हिस्सों से उज्जैन आने वाले श्राद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। श्राद्ध पथ में श्राद्धालु अपने पूर्वजों के निमित्त ब्राह्मणों को भोजन कराने के साथ दान-पुण्य भी करते हैं। कई श्राद्धालु गाय और कौन-को भी भोजन कराने पितरों के प्रति श्रद्धा प्रकट करते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, उज्जैन में श्राद्ध और सिद्धिदान करने से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। इसी आस्था के चलते हर साल श्राद्ध पथ में बड़ी संख्या में लोग श्राद्ध और शिष्या दान तुल्य पहुंचते हैं। सिद्धिवट को लेकर धार्मिक मान्यताओं में इसे पितृ कर्मकांड के लिए

महत्वपूर्ण स्थान बताया गया है। कर्मकांड कराने वाले पंडित राजेश त्रिवेदी के अनुसार, सिद्धवट पर पितरों के तर्पण की परंपरा त्रेतायुग से चली आ रही है। उन्होंने बताया कि श्राद्ध पक्ष के दौरान अमावस्या तक यहां तर्पण और अन्य धार्मिक कर्मकांड लगातार होते हैं। दूसरे तरफ से आने वाले श्रद्धालु अपने पूर्वजों की आत्मशांति के लिए यहां विधि-विधान से पूजा कराते हैं। श्राद्ध पक्ष के दौरान उज्जैन के धार्मिक स्थलों पर भी विशेष चहल-पहल देखने को मिल रही है। सिद्धवट मंदिर और शिप्रा के घाटों पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी हुई है। तर्पण और पिंडदान के बाद लोग मंदिर में दर्शन और पूजा-अर्चना कर रहे हैं। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए प्रशासन की ओर से भी शिप्रा नदी के घाटों और प्रमुख धार्मिक स्थलों पर व्यवस्थाएं की गई हैं। श्राद्ध पक्ष के दौरान घाटों पर धार्मिक गतिविधियों के साथ श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए व्यवस्था बनाए रखने पर भी ध्यान दिया जा रहा है। 10 अक्टूबर तक चलने वाले इस धार्मिक क्रम के दौरान उज्जैन के सिद्धवट और शिप्रा तट पर पितरों के तर्पण और पिंडदान का सिलसिला जारी रहेगा।

पानी और पहाड़ों का रंग हुआ एक, 'मोगली'
की धरती पर दिखा कुदरत का अद्भुत नजारा

बारिश के बाद बरगी बांध के डूब क्षेत्र में बदला प्राकृतिक नजार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पवनौ। मध्य प्रदेश का सिवनी जिला प्राकृतिक सुन्दरता और वन्यजीवों के लिहाज से पहचले से ही अपनी अलग पहचान रखता है। यन्त्रे जंगल, हरियाली, पहाड़ियाँ, नदियाँ और वन्यजीव यहाँ की प्राकृतिक विरासत को खास बनाते हैं। देश-दुनिया में सिवनी की पहचान पर्वत दृश्यपरिचय के कारण है, वहीं मोमाली की धूम्रती के रूप में चर्चित अमोदा गढ़ भी पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र रहा है। आज जिले के अंतर्गत छोटे पर स्थित बरीर बांध का डूब क्षेत्र भी बारिश के बाद अपने अद्भुत प्राकृतिक आकर्षणों के कारण लोगों का ध्यान खींच रहा है।

मामावसूल के बाद यहाँ का पूरा परिसर जैसे बनसल गया है। दूर-दूर तक फैली विशाल जलराशि के बीच हरी-भरी पहाड़ियाँ और उनके पानी में पड़ते प्रतिबिंब ऐसा दृश्य प्रस्तुत करते हैं, जिसे देखकर एक पल के लिए यह महसूस हो जाता है कि पानी और पहाड़ों का रंग एक हो गया है। शांत जंगल, पहाड़ियों की हरियाली, बादलों से गिरा असमान और आसपास फैली प्राकृतिक शांति मिलकर ऐसा वातावरण बनाते हैं, जो किसी चित्रकार की बानाई हुई पेंटिंग जैसा लगता है। बरीर बांध के डूब क्षेत्र में बारिश के बाद पानी का विस्तार काफी बढ़ जाता है। जलराशि के बीच दिखाई देने वाली पहाड़ियाँ का प्रतिबिंब इस दृश्य को और खास बना देता है। हवा चलने पर पानी की सतह पर उठती हल्की लहरें प्रतिबिंब को बदलती रहती हैं। कभी पहाड़ पानी में बिस्कुल साफ नजर आते हैं तो कभी लहरों के साथ उनका प्रतिबिंब किसी काल्पनिक चित्र की तरह दिखाई देता है।

यथैवत वजह है कि यह क्षेत्र प्रकृति को करीब से

देखने और कैमरे में कैद करने वालों के लिए प्रकाश आकर्षण बन रहा है। प्रकृति प्रेमियों के लिए यह इलाका इसलिए भी खास है क्योंकि यहाँ शहरों की भीड़भाड़ और शोर से दूर शांति वातावरण मिलता है। बारिश के बाद चारों तरफ फैली हरियाली, पहाड़ी ढलानों पर जीवमय सृष्टियाँ और विशाल जलराशि मिलकर यहाँ के सौंदर्य को कई गुना बढ़ा देती है। सुबह और शाम के समय जब आसमान पर बादल और सूर्य की रोशनी का प्रभाव पानी पर पड़ता है, तब इस पूरे इलाके का दृश्य और भी मनमोहक बन जाता है। सिवनी की पर्यटन पहचान नजदगिरी है। इसी तरह अन्योद्धार को मोलारी की पधरती से जोड़कर देखा जाता है। यात्राकर्ता पहाड़ियाँ, गुफाएँ और प्राकृतिक वातावरण पर्यटकों को आकर्षित करने में सक्षम है। इसी तरह का अनुभव देते हैं। ऐसे में बरगिरी बांध का दृष्ट क्षेत्र सिवनी के पर्यटन मानचित्र पर एक नए आकर्षण के रूप में अपनी जगह बना सकता है। इस क्षेत्र की सबसे बड़ी विशेषता इसका प्राकृतिक और शांत वातावरण है। यहाँ विशाल जलराशि और पहाड़ों का संयोग है। ऐसा दृश्य बनाता है, जो सामान्य पर्यटन स्थलों से अलग है।

अलग अनुभव देता है। फोटोग्राफी के शौकीनों के लिए भी यह क्षेत्र काफी संभावनापूर्ण प्रस्तुत रहता है। पानी में पहचानों के प्रतिबिम्ब, बादलों से ढका आसमान, हरियाली और शानतन्देह मौसम के दृश्य तस्वीरों के लिए पर्याप्त पदार्थ प्रचुरभिम्ब उपलब्ध कराते हैं। पर्यटन-विशेषज्ञों और स्थानीय लोगों के नज़ारे देखे जाए तो यदि इस क्षेत्र को व्यवस्थित करने से विकसित और प्रचारित किया जाए, तो यह सबिनी में पर्यटन का एक नया केंद्र बन सकता है। प्रकृति आधारित क्षेत्रों को बढ़ावा मिलने से आसपास के पर्यटन में स्थानीय लोगों के लिए रोजगार और छोटे कारोबार के अवसर भी बढ़ सकते हैं। स्थानीय स्तर पर गाइड, भूविज्ञान, खान-पान और अन्य पर्यटन सेवाओं के जरिए लोगों को आर्थिक लाभ मिल सकता है। हालांकि, ऐसे प्राकृतिक क्षेत्रों को पर्यटन के रूप में विकसित करते समय पर्यावरण और स्थानीय पारिस्थितिकी का ध्यान रखना भी जरूरी होगा। क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता को बनाए रखते हुए बुनियादी सुविधाएं विकसित की जाएं तो पर्यटकों की संख्या बढ़ने के साथ-साथ प्रकृति का संरक्षण भी संभव हो सकेगा। है, स्वच्छता, कचरा प्रबंधन और सुरक्षित पर्यटन व्यवस्था पर ध्यान देकर इस क्षेत्र को जिम्मेदार पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा सकता है। पिल्लहल बांरिश के बाढ़ बकरी बांध के डूब क्षेत्र में नजर आ रहा नज़ार अपने आप में प्रकृति की खूबसूरती का एक असाधारण नमूना है। विशाल पानी के बीच खड़ी पहडियां और पानी में डुका साफ प्रतिबिम्ब आसमान के बीच कोई सीमा ही न बची हो



वाला संदेश आता है तो उस पर कोई प्रतिक्रिया न दें। साथ ही किसी भी खाते में राशि ट्रांसफर नहीं करने और सदस्य संदेशों की जानकारी पुलिस को देने की अपील की गई। मामले की सूचना मिलने के बाद पुलिस और साइबर सेल ने जांच शुरू कर दी है। तकनीकी स्तर पर

यह बात लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि मंत्री को न्यायदण्ड प्राप्त करने तक साइबर अपराधियों को पहुँच करने के हेतु और अज्ञात नंबर से कितने लोगों को संदेश भेजा गया। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि कहीं किसी व्यक्ति ने जालसाजों के झोंपे में आकर राशि तो ट्रांसफर नहीं की। मंत्री के आधिकारिक नंबर का इस्तेमाल कर लोगों से पैसा मांगने की घटना ने एक बार फिर साइबर अपराधों के बढ़ते तरीकों को सामने ला दिया है। साइबर मंत्री की अक्सर किसी परिचित, अधिकारी या सार्वजनिक व्यक्ति के नाम और मोबाइल नंबर का इस्तेमाल कर लोगों का भरोसा जीतने की कोशिश करते हैं। ऐसे में अचानक आने वाली किसी भी वित्तीय मांग की पहले फोन पर पुष्टि करना और बिना सत्यापन के पैसा ट्रांसफर नहीं करना जरूरी है।

शाही मस्जिद गिराने के AI वीडियो से जुटी भीड़



महानगर मेट्रो ब्यूरो

उज्जैन। मध्य प्रदेश के उज्जैन में शाही मस्जिद को पूरी तरह गिराए जाने का फर्जी एफआई वीडियो सोशल मीडिया पर फैलने के बाद बड़ी संख्या में लोग मस्जिद के आसपास जमा हो गए। पुलिस के अनुसार, वीडियो में मस्जिद को पूरी तरह गिराते हुए दिखाया गया, जबकि वास्तविक कार्रवाई सड़क चौड़ीकरण की जद में आ रहे मस्जिद के एक हिस्से को हटाने तक सीमित है। अपवाह और भड़काऊ पोस्ट फैलने के बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गई है। रिविचार रात और सोमवार को बड़ी भीड़ जमा हुई। इस दौरान सुरक्षा बलों पर पथराव की बात सामने आई, जिसके बाद पुलिस ने आंसू गैस और बल प्रयोग कर भीड़ को हटाया। पुलिस ने अब तक 15 लोगों को हिरासत में लिया है। तीन थानों में 8 प्रथमिकी दर्ज की गई है और 20 लोगों को आरोपी बनाया गया है। इलम सोशल मीडिया पर सामग्री बनाने वाले कुछ लोग भी शामिल हैं। पुलिस अब उन सोशल मीडिया खातों की जांच कर रही है, जहां से एफआई वीडियो और भड़काऊ पोस्ट प्रसारित किए गए। सीसीटीवी और ड्रोन कैमरों की मदद से पथराव करने वालों की पहचान की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि फर्जी वीडियो कैसे पकले किसने तैयार किया और उसे किस तरह बड़े स्तर पर प्रसारित किया गया। विवाद की मूल वजह कांउल चौराहे से गोपाल मंदिर तक सड़क को करीब 15 मीटर चौड़ा करने की योजना है। यह काम 2028 के संसंधस्था के तैयारियों से जुड़ा है। सड़क चौड़ीकरण की जद में 272 निर्माण आने की बात कही गई है। प्रशासन के अनुसार, मस्जिद का केवल प्रभावित हिस्सा हटाना जाना है और मस्जिद से जुड़े लोगों ने भी कार्रवाइ में सहयोग की बात कही है। मामले में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में भी सुनवाई हुई। अदालत को मस्जिद पक्ष और नगर निगम के बीच समझति की जानकारी दी गई। फिलहाल पुलिस ने शहर में निगरानी बढ़ा दी है और फ्लैग मार्च किया जा रहा है। प्रशासन और शहर काजी ने लोगों से अपवाहों पर ध्यान नहीं देना तथा सोशल मीडिया पर किसी भी संदिग्ध वीडियो या पोस्ट को बिना पुष्टि के साझा नहीं करने की अपील की है।

12 धर्मस्थल हटे उज्जैन शाही मस्जिद पर भी कार्रवाई जारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उज्जैन। सिंहस्थ 2028 की तैयारियों के तहत मध्य प्रदेश के उज्जैन में सड़क चौड़ीकरण का काम तेजी से चल रहा है। कंठाल चौराहे से गोपाल मंदिर तक करीब डेढ़ किलोमीटर क्षेत्र में सड़क को 15 मीटर चौड़ा किया जा रहा है। इस परियोजना की जद में आने वाले मकानों के साथ कठौत धार्मिक स्थलों को भी हटाना जा रहा है। प्रशासन और स्थानीय लोगों के सहयोग से अब तक दर्जनभर से अधिक धर्मस्थलों को हटाने की कार्रवाई पूरी हो चुकी है। सड़क चौड़ीकरण के दौरान प्रशासन की कोशिश रही प्राचीन मंदिरों को नुकसान पहुंचाने के बजाय उन्हें सुरक्षित तरीके से पीछे करवा दीं। इसी के तहत संकटमोचन हनुमान मंदिर, शिव मंदिर और गणेश मंदिर को करीब 9-9 फीट पीछे शिफ्ट किया गया। मंदिरों से जुड़े पुजारियों का कहना है कि प्रशासन की ओर से बातचीत के बाद उन्होंने आपसी सहमति और स्वेच्छा से मंदिरों को पीछे करने में सहयोग किया। इस पूरे प्रोजेक्ट के दायरे में करीब 323 मकान आने की बात सामने आई है। सड़क चौड़ी होने के बाद सिंहस्थ के दौरान शहर में आने वाले श्रद्धालुओं और वाहनों के लिए आवागमन आसान बनाने की योजना है। प्रशासन का कहना है कि सड़क चौड़ीकरण की जद में आने वाले निर्माणों को हटाने से पहले संबंधित लोगों से बातचीत की जा रही है और जहां संभव है, वहां आपसी सहमति से समाधान निकाला जा रहा है। धार्मिक स्थलों को लेकर भी प्रशासन और संबंधित पक्षों के बीच बातचीत का दौर चला। अब सड़क के इस हिस्से में खड़े हनुमान मंदिर और शाही मस्जिद के प्रभावित हिस्सों को लेकर कार्रवाई जारी है। शाही मस्जिद का पूरा दबंच हटाने की कार्रवाई शुरू की जा रही, बल्कि सड़क चौड़ीकरण की जद में आने वाले हिस्से को हटाना जा रहा है। शाही मस्जिद के आसपास सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जाएंगे। सुबह से पुलिस का घुड़सवार दस्ता इलाके में गश्त करता नजर आएगा। बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों की तैनाती के बीच मुस्लिम समाज के लोग भी मौके पर पहुंचे और प्रशासन के साथ बनी सहमति के अनुसार मस्जिद के प्रभावित हिस्से को हटाने की प्रक्रिया में सहयोग किया। कलेक्टर रोशन सिंह ने भी सुबह शाही मस्जिद पहुंचकर मौके का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि फिलहाल शहर में हालात शांतिपूर्ण और नियंत्रण में हैं। प्रशासन की ओर से सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहों और भ्रामक सामग्री पर भी नजर रखी जा रही है। अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि वे बिना पुष्टि के किसी भी वीडियो या संदेश पर भरोसा न करें। उज्जैन में सड़क चौड़ीकरण की यह पूरी कार्रवाई सिंहस्थ 2028 की तैयारियों से जोड़कर देखी जा रही है।



दिल्ली को मिला बारापुला फेज-3 एलिवेटेड कॉरिडोर, अमित शाह ने किया उद्घाटन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली-नोएडा और पूर्वी दिल्ली से दक्षिणी दिल्ली की ओर आने-जाने वाले लोगों के लिए बारापुला फेज-3 एलिवेटेड कॉरिडोर शुरू हो गया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मौलवार को इस कॉरिडोर का उद्घाटन किया। इस दौरान दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और लोक निर्माण विभाग से जुड़े अधिकारी भी मौजूद रहे। लंबे समय से अटक इस प्रोजेक्ट के पूरा होने से मयूर विहार, सराय काले खां और दक्षिणी दिल्ली के बीच आवागमन आसान होने की उम्मीद है। बारापुला फेज-3 कॉरिडोर पूर्वी दिल्ली के मयूर विहार फेज-1 को सराय काले खां से जोड़ता था और इसे 2017 तक पूरा किया जाना था, लेकिन अलग-अलग कारणों से परियोजना में लगातार देरी होती रही। रेखा गुप्ता ने बताया कि निरीक्षण के दौरान उन्हें कई जगह निर्माण अधूरा मिला था। उनके अनुसार, कॉरिडोर का एक हिस्सा बन चुका था, लेकिन आगे के हिस्से में काम पूरा नहीं हुआ था। सरकार बदलने के बाद परियोजना को पूरा करने पर जोर दिया गया और अब लंबे इंतजार के बाद इसे यातायात के लिए खोला गया है। करीब 1,635 करोड़ रुपये की लागत से तैयार इस परियोजना को दिल्ली के यातायात ढांचे के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कॉरिडोर के शुरू होने से पूर्वी दिल्ली और नोएडा की ओर से आने वाले वाहनों को दक्षिणी दिल्ली की तरफ जाने के लिए एक अतिरिक्त मार्ग मिलेगा। इससे सराय काले खां और आसपास के प्रमुख मार्गों पर यातायात का दबाव कम करने में मदद मिलने की उम्मीद है। कॉरिडोर को केवल वाहनों के आवागमन तक सीमित नहीं रखा गया है। इसमें साइकिल चलाने वालों के लिए अलग ट्रैक बनाया गया है, जबकि पैदल चलने वालों के लिए भी लेन की व्यवस्था की गई है। इस हिस्से का इस्तेमाल लोग पैदल चलने और सुबक की सैर के लिए कर सकेंगे। यमुना के ऊपर बने हिस्से को भी खास तरीके से तैयार किया गया है। यहां लंबे सैन वाली संरचना का इस्तेमाल किया गया है और शीशे की रेलिंग लगाई गई है। इससे कॉरिडोर से गुजरने वाले लोगों को यमुना का दृश्य देखने का अवसर मिलेगा। परियोजना के पूरा होने के बाद इसे दिल्ली के परिवहन नेटवर्क के साथ-साथ शहर के आधुनिक बुनियादी ढांचे के एक नए हिस्से के रूप में भी देखा जा रहा है। बारापुला फेज-3 के शुरू होने से दिल्ली-नोएडा के बीच होनाजा सफर करने वाले लोगों को वैकल्पिक मार्ग मिलने की उम्मीद है। हालांकि, वास्तविक तौर पर यातायात पर इसका किताना असर पड़ता है, यह कॉरिडोर पर वाहनों की आवाजाही बढ़ने के बाद ही स्पष्ट होगा। फिलहाल लंबे समय से लॉकब परियोजना के पूरा होने से दिल्ली के यातायात नेटवर्क में एक नया महत्वपूर्ण मार्ग जुड़ गया है।

सौरभ भारद्वाज और जरनैल सिंह का नाम शामिल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली के तिलक नगर में पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के दैरे के दौरान सादी वर्दी में तैनात एक हेड कांस्टेबल से मारपीट के मामले में दिल्ली पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। मामले में आप नेताओं सौरभ भारद्वाज, जरनैल सिंह और साहिब सिंह समेत कई अज्ञात लोगों को आरोपी बनाया गया है। पुलिस के अनुसार, हेड कांस्टेबल ड्यूटी के दौरान कार्यक्रम की वीडियोग्राफी कर रहा था। इसी दौरान भीड़ ने उसे धेर लिया और उसके साथ मारपीट की। पुलिसकर्मियों ने बीच-बचाव कर उसे भीड़ से बाहर निकाला। घायल पुलिसकर्मी का मेडिकल परीक्षण भी कराया गया है। हेड कांस्टेबल का आरोप है कि उसने मौके पर मौजूद लोगों को बताया था कि वह पुलिसकर्मी है, इसके बावजूद उसके साथ मारपीट की गई। एफआईआर में मारपीट के साथ सरकारी काम में बाधा डालने से संबंधित आरोप भी दर्ज किए गए हैं। पुलिस मामले से जुड़े वीडियो और अन्य साक्ष्यों की जांच कर रही है। मामले में पुलिस ने कई अज्ञात लोगों को भी आरोपी बनाया है और उनकी पहचान की जा रही है। वहीं, इस घटनाक्रम पर अरविंद केजरीवाल या आम आदमी पार्टी की ओर से फिलहाल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

बड़े नेता का पति बोल रहा हूँ... कहकर 1.69 लाख ठगे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने ठगी के एक मामले में भल्लिंदर पाल सिंह नाम के आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी खुद को एक बड़े नेता का पति बताकर लोगों पर प्रभाव जमाने और इसी पहचान का इस्तेमाल कर ठगी करता था। उसके खिलाफ दिल्ली, पंजाब और हरियाणा में ठगी, पहचान बदलने, रंगदारी और जेल कानून से जुड़े करीब 25 अपराधिक मामले दर्ज होने की जानकारी सामने आई है। मामला द्वारका सेक्टर-6 स्थित ग्लेशियर हॉलिडेज प्राइवेट लिमिटेड के मालिक इंदर सिंह नागपाल की शिकायत से जुड़ा है। शिकायतकर्ता के मुताबिक, उन्हें एक मोबाइल नंबर से फोन आया था। कॉल करने वाले व्यक्ति ने खुद को एक बड़े नेता का पति बताया और कहा कि एक छात्र की फीस तत्काल जमा करनी है। उसने यह भी भरोसा दिलाया कि रकम बाद में उसके कार्यालय के माध्यम से वापस कर दी जाएगी। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने कारोबारी को अलग-अलग बैंक खातों में रकम भेजने के लिए तैयार कर लिया। इसके साथ ही व्हाट्सएप कॉल और संदेशों के जरिए भी संपर्क किया गया। आरोपी के व्हाट्सएप प्रोफाइल पर अशोक चिह्न का लोगो लगा हुआ था, जिससे शिकायतकर्ता को यह विश्वास दिलाने की कोशिश की गई कि सामने वाला किसी प्रभावशाली व्यक्ति से जुड़ा है। इसके बाद शिकायतकर्ता ने आरोपी द्वारा बताए गए बैंक खातों में कुल 1,69,389 रुपये ट्रांसफर कर दिए। आरोप है कि आरोपी ने इसी दौरान दिल्ली से लखनऊ के लिए एयर इंडिया की फ्लाइट भी बुक कराई। जब मामले में संदेह हुआ और शिकायत दर्ज कराई गई तो दिल्ली पुलिस ने तकनीकी जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि आरोपी ने गुरुग्राम के सेक्टर-43 इलाके में फर्जी पहचान और अधूरे पते वाली सिम के जरिए व्हाट्सएप अकाउंट बनाया था। पुलिस ने व्हाट्सएप अकाउंट से जुड़े आईडी प्रोफाइल की जांच की और संबंधित क्षेत्र में करीब 120 घरों को खंगाला। जांच आगे बढ़ने पर पुलिस को पता चला कि आरोपी सेक्टर-43 में जसरजग सहगल के नाम से एक मकान में रह रहा था। पुलिस ने आरोपी को पकड़ने के बाद उसके पास से एक ही नंबर वाले दो आधार कार्ड बरामद किए। इसके अलावा वह मोबाइल फोन भी जब्त किया गया, जिसमें अशोक चिह्न वाले व्हाट्सएप अकाउंट का इस्तेमाल किया जा रहा था। पुलिस अब इन फर्जी दस्तावेजों और मोबाइल की तकनीकी जांच के जरिए आरोपी की अन्य गतिविधियों की जानकारी जुटा रही है। आरोपी ने खुद को प्रभावशाली व्यक्ति दिखाने के लिए एक स्क्रॉपियो एन का भी इस्तेमाल किया था। पुलिस ने इस वाहन को भी जब्त कर लिया है। जांच में सामने आया कि वाहन किराये पर लिया गया था और इसमें आदित्य पटेल के नाम के फर्जी ड्राइविंग लाइसेंस और आधार कार्ड का इस्तेमाल किया गया था।

महानगर मेट्रो

चाकण-हिंजवडी इंफ्रा को CM देवेंद्र फडणवीस की मंजूरी, जानिए 1826 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट्स से होंगे क्या

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने चाकण और हिंजवडी की बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए कुल 1826 करोड़ रुपये की योजनाओं को सैद्धांतिक मंजूरी दी है। चाकण में सड़क, बरसाती पानी की निकासी, यातायात प्रबंधन और सार्वजनिक सुविधाओं पर 1400 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे, जबकि हिंजवडी में यातायात जाम की समस्या दूर करने के लिए 426 करोड़ रुपये की अलग योजना तैयार की गई है। सह्याद्री अतिथि गृह में हुई बैठक में योजनाओं का प्रस्तुतिकरण किया गया। प्रशासन के अनुसार, दिसंबर से काम शुरू करने की तैयारी है। चाकण में बरसात के दौरान जलभराव बड़ी समस्या है। करीब 78 किलोमीटर लंबे प्राकृतिक नालों पर अतिक्रमण के कारण पानी का बहाव प्रभावित होता है। इसे देखते हुए नालों से



अतिक्रमण हटाने, करीब 38 किलोमीटर सड़क किनारे

बरसाती नालियां बनाने और पुलों की क्षमता बढ़ाने की योजना है। चाकण के 498 किलोमीटर सड़क नेटवर्क का अध्ययन किया गया है। पहले चरण में करीब 75 किलोमीटर सड़कों का सुधार किया जाएगा। इनमें पैदल यात्रियों के लिए अलग रास्ता, सुरक्षित सड़क पार करने की व्यवस्था, जल निकासी और यातायात सुविधाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। छह प्रमुख चौराहों पर यातायात व्यवस्था सुधारने के साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित संकेत प्रणाली, कैमरे और नंबर प्लेट पहचान प्रणाली लगाने की भी योजना है। चाकण में यातायात कम करने के लिए पुणे और पिंपरी-चिंचवड से आने वाले मजदूरों के लिए मार्ग के अनुसार बस सेवा

बसों की जरूरत बताई गई है। बड़े वाहनों की पार्किंग के लिए पांच स्थानों पर व्यवस्था की गई है। इसके अलावा चाकण में पानी और बिजली की व्यवस्था मजबूत करने तथा केंद्रीकृत कचरा प्रसंस्करण केंद्र बनाने की योजना है। 100 एमवीए क्षमता वाले बिजली उपकेंद्र का काम दिसंबर से शुरू करने की तैयारी है। यातायात प्रबंधन के लिए चाकण परिसर में 1 अक्टूबर से 100 सुरक्षा जवान उपलब्ध कराने की बात भी कही गई है। हिंजवडी में 426 करोड़ रुपये की योजना के तहत यातायात जाम कम करने, बिजली आपूर्ति सुधारने और कचरा प्रबंधन को मजबूत करने पर काम होगा। यहां यातायात और अन्य व्यवस्थाओं के लिए 100 सुरक्षा जवान उपलब्ध कराने की प्रक्रिया भी शुरू की गई है। दोनों क्षेत्रों में योजनाओं को समय पर पूरा करने पर जोर दिया गया है।

बढ़ाने का प्रस्ताव है। इसके लिए करीब 500 अतिरिक्त

दोपहिया पर बैठने से डरते थे 2023 में हादसे से बचे थे, अब बर्थडे पार्टी से लौटते वक्त हुआ हादसा, बाइक सवार की मौत, ड्राइवर फरार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के लक्ष्मी नगर इलाके में रविवार रात बर्थडे पार्टी से लौट रहे दो दोस्तों की बाइक को तेज रफ्तार डंपर ने टक्कर मार दी। हादसे में बाइक पर पीछे बैठे 48 वर्षीय शिवकुमार डंपर के नीचे आ गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। बाइक चला रहे उनके दोस्त चंदन गुप्ता गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद डंपर चालक वाहन को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। पुलिस के मुताबिक, शिवकुमार लक्ष्मी नगर के गढ़वाली मोहल्ले में परिवार के साथ रहते थे। उनके परिवार में पत्नी उषा, दो बेटियां और एक बेटा है। उनका एक बेटा और बेटी जुड़वा हैं। शिवकुमार गणेश नगर में बिजली की दुकान चलाते थे। रविवार को भी वह अपनी दुकान पर मौजूद थे। दुकान के पास ही उनके एक दोस्त की बर्थडे पार्टी आयोजित की गई थी। पार्टी खत्म होने के बाद गणेश नगर निवासी चंदन गुप्ता बाइक से शिवकुमार को घर छोड़ने के लिए निकले थे।



दोनों दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे से गुजर रहे थे। एसडीएम कार्यालय के सामने पहुंचते ही तेज रफ्तार डंपर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि शिवकुमार सड़क पर गिर गए और डंपर के नीचे आ गए। गंभीर रूप से घायल चंदन को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। शिवकुमार को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बाइक और डंपर को कब्जे में ले लिया है। घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस फुटेज के आधार पर डंपर की गति, हादसे की परिस्थितियों और फरार चालक की पहचान करने की कोशिश कर रही है। इस हादसे ने परिवार के

खाना तैयार करने की जगह पर चूहों की बीट, मक्खियां और कॉकरोच मिले, मुंबई की 120 साल पुरानी फूड कंपनी का लाइसेंस सस्पेंड

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। मुंबई की मशहूर और करीब 120 साल पुरानी क्‍यानी एंड कंपनी पर खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। खाद्य सुरक्षा जांच के दौरान गंभीर स्वच्छता संबंधी खामियां सामने आने के बाद प्रशासन ने प्रतिष्ठान का खाद्य लाइसेंस निलंबित कर दिया है। साथ ही क्‍यानी एंड कंपनी को तत्काल प्रभाव से खाद्य पदार्थों की खरीद, निर्माण, प्रसंस्करण, भंडारण और बिक्री बंद करने का आदेश दिया गया है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन के अनुसार, 27 सितंबर को की गई जांच के दौरान रेस्टोरेंट के खाद्य भंडारण और खाना तैयार करने वाले हिस्से में गंभीर अनियमितताएं मिलीं। अधिकारियों को वहां चूहों की बीट, जिंदा मक्खियां और मरे हुए कॉकरोच मिले। जांच में खाना तैयार करने वाले स्थान की साफ-सफाई और स्वच्छता व्यवस्था को लेकर भी कई कमियां सामने आईं। जांच के दौरान रेफ्रिजरेटर में बड़ी मात्रा में खून जमा होने की बात भी सामने आई। इसके अलावा खाना तैयार करने वाले हिस्से में खुले नाले का पाया गया। खाद्य पदार्थों के आसपास इस तरह की स्थिति को स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा के लिहाज से गंभीर माना गया। इन्हीं कमियों के आधार पर प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए प्रतिष्ठान के संचालन पर रोक लगा दी। कांबादेवी इलाके में स्थित क्‍यानी एंड कंपनी मुंबई के पुराने और



चर्चित ईरानी कैफे में शामिल है। करीब 120 वर्षों से शहर की पहचान से जुड़े इस प्रतिष्ठान पर हुई कार्रवाई के बाद फिलहाल इसके संचालन पर रोक लगा दी गई है। प्रतिष्ठान को जांच में सामने आई कमियों को दूर करना होगा और आगे की जांच एवं आवश्यक प्रक्रिया पूरी करनी होगी। यह कार्रवाई मुंबई में 23 से 27 सितंबर के बीच खाद्य सुरक्षा को लेकर की गई जांचों की श्रृंखला का हिस्सा है। इस दौरान खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने शहर के कुल 13 खाद्य कारोबार प्रतिष्ठानों के खिलाफ अलग-अलग स्तर पर कार्रवाई की। इनमें कुछ प्रतिष्ठानों के लाइसेंस निलंबित किए गए, कुछ को बंद करने के निर्देश दिए गए, जबकि अन्य मामलों में कानूनी कार्रवाई शुरू की गई। खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने कोलाबा स्वीट मार्ट के खिलाफ भी कार्रवाई करते हुए उसका लाइसेंस निलंबित किया है। जांच के दौरान यहां छिपकलियां, लार्वा, मक्खियां और

एमपीएससी परीक्षा पर घमासान के बीच बड़ा फैसला, 3 परीक्षाएं टलीं; 2025 की कॉपियां फिर जांचेगा आयोग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र। में सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों से जुड़ी बड़ी खबर सामने आई है। महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग ने 3 अक्टूबर से शुरू होने वाली राज्य सेवा मुख्य परीक्षा 2026 को स्थगित कर दिया है। इसके साथ ही महाराष्ट्र सिविल इंजीनियरिंग मुख्य परीक्षा 2026 और महाराष्ट्र समूह-ब गैर-राजपत्रित मुख्य परीक्षा को भी आगे बढ़ा दिया गया है। आयोग इन तीनों परीक्षाओं की नई तारीखों की घोषणा बाद में करेगा। यह फैसला ऐसे समय आया है, जब महाराष्ट्र में लोक सेवा आयोग की परीक्षा व्यवस्था को लेकर अभ्यर्थियों और छात्र संगठनों का विरोध जारी है। परीक्षा संचालन और कथित प्रश्नपत्र लीक से जुड़े मामलों को लेकर छात्रों की ओर से लगातार सवाल उठाए जा रहे थे। अभ्यर्थी परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और उचित प्रक्रिया की मांग कर रहे थे। आयोग के अनुसार, कई अभ्यर्थियों, अभिभावकों, छात्र संगठनों और कुछ निर्वाचित प्रतिनिधियों की ओर से राज्य सेवा मुख्य परीक्षा 2026 को स्थगित करने की मांग की गई थी। परीक्षा 3 अक्टूबर से शुरू होनी थी। विभिन्न पक्षों की मांगों और मौजूदा परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए आयोग ने तीनों परीक्षाओं को स्थगित करने का फैसला



लिया है। अब अभ्यर्थियों को नई तारीखों के ऐलान का इंतजार करना होगा। एमपीएससी ने राज्य सेवा मुख्य परीक्षा 2025 की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन को लेकर भी बड़ा फैसला लिया है। आयोग ने 2025 की परीक्षा की कॉपियों का दोबारा मूल्यांकन करने का निर्णय लिया है। आयोग के मुताबिक, कई अभ्यर्थियों और छात्र संगठनों ने उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन को लेकर आपत्तियां दर्ज कराई थीं। इन शिकायतों और आपत्तियों को ध्यान में रखते हुए दोबारा मूल्यांकन का फैसला किया गया है। आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि उत्तर पुस्तिकाओं के दोबारा मूल्यांकन की प्रक्रिया के कारण परीक्षा से जुड़ी अन्य की प्रक्रिया में देरी हो सकती है। इससे परिणाम और उससे जुड़ी अन्य प्रक्रियाओं पर भी असर पड़ने की संभावना है। ऐसे में 2025

की परीक्षा में शामिल अभ्यर्थियों को भी आयोग की अगली जानकारी का इंतजार करना होगा। एमपीएससी की मौजूदा परीक्षा व्यवस्था की समीक्षा के लिए वरिष्ठ अधिकारी वी. राधा की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समिति का गठन किया गया है। समिति ने कई अभ्यर्थियों और परीक्षा प्रक्रिया से जुड़े अन्य लोगों से बातचीत की है। इसके अलावा अलग-अलग स्थानों पर अपनाई जा रही बेहतर परीक्षा व्यवस्थाओं का भी अध्ययन किया जा रहा है। आयोग के अनुसार, समिति की सिफारिशों के आधार पर परीक्षा व्यवस्था में सुधार की दिशा में आगे की कार्रवाई की जाएगी। आयोग की समिति की रिपोर्ट जल्द मिलने की उम्मीद है। इसके बाद परीक्षा संचालन और व्यवस्था से जुड़े कुछ बदलावों पर निर्णय लिया जा सकता है। इस बीच शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने भी इस फैसले को लेकर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी ने राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा से परीक्षा स्थगित करने की मांग की थी और उनकी मांग स्वीकार कर ली गई। ठाकरे ने यह भी उम्मीद जताई कि राज्यपाल एमपीएससी के अध्यक्ष के इस्तीफे की मांग पर भी विचार करेंगे।

नन्ही छात्राओं का वीडियो देखते ही सुनेत्रा पवार ने लिया संज्ञान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुणे/बीड। महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री और बीड जिले की प्रभारी मंत्री सुनेत्रा पवार के सामने छात्राओं की एक अनोखी अपील का मामला सामने आया। बीड जिले के हिवरापहाड़ी स्थित स्कूल की नन्हीं छात्राओं ने पानी की प्लास्टिक बोतल को माइक बनाकर शिक्षकों की कमी का मुद्दा उठाया था। छात्राओं ने वीडियो के जरिए कहा था, 'हमें अधिकारी बनना है, आप बस शिक्षक दे दीजिए।' सोशल मीडिया पर सामने आए इस वीडियो का सुनेत्रा पवार ने संज्ञान लिया और अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। जानकारी के अनुसार, हिवरापहाड़ी स्थित भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर आदर्श जिला परिषद प्राथमिक विद्यालय में कुछ समय से गणित, विज्ञान और कंप्यूटर जैसे महत्वपूर्ण विषयों के लिए शिक्षकों की कमी थी। छात्राओं ने इसी समस्या की ओर ध्यान खींचने के लिए कक्षा में एक काल्पनिक समाचार बुलेटिन तैयार किया और प्लास्टिक की बोतल को माइक की तरह इस्तेमाल करते हुए अपनी बात रखी। वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद मामला सुनेत्रा पवार तक पहुंचा। इसके बाद उन्होंने संबंधित अधिकारियों को छात्राओं की समस्या का समाधान करने के निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री के निर्देश के बाद बीड जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी कार्यालय और शिक्षा मंत्रालय ने कार्रवाई करते हुए शिक्षक शिवाजी जोगदंड की हिवरापहाड़ी स्कूल में नियुक्ति की। हिवरापहाड़ी का स्कूल ग्रामीण और दुर्गम क्षेत्र में स्थित है। यहां शिक्षकों की कमी के कारण विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित होने की समस्या सामने आई थी। छात्राओं ने जिस तरह से अपनी समस्या को समाचार प्रस्तुति के अंदाज में उठाया, उसका वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा में आ गया। छात्राओं की मांग के बाद शिक्षक की नियुक्ति होने से अब स्कूल में महत्वपूर्ण विषयों की पढ़ाई सुचारु होने की उम्मीद है। इस पूरे मामले में छात्राओं के रचनात्मक तरीके से अपनी समस्या सामने रखने और प्रशासन की ओर से तत्काल कार्रवाई किए जाने की चर्चा हो रही है।

एसआईआर का कांग्रेस के सवालों पर भड़के संजय निरुपम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर महाराष्ट्र में रियासी बयानबाजी तेज हो गई है। कांग्रेस की ओर से मतदाता सूची से हटाए गए नामों, दावों और आपत्तियों का निवर्ण सार्वजनिक करने की मांग के बीच शिवसेना नेता संजय निरुपम ने कांग्रेस पर पलटवार किया है। उन्होंने एसआईआर को लेकर कांग्रेस के विरोध पर सवाल उठाते हुए पूछा कि मतदाता सूची से हटाए गए मृत, स्थानांतरित या अज्ञात मतदाताओं के नामों को लेकर कांग्रेस आपत्ति क्यों जता रही है। निरुपम ने कहा कि चुनाव आयोग की ओर से मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण की प्रक्रिया के तहत ऐसे नामों की जांच की जा रही है, जो मृत मतदाताओं, स्थायी रूप से स्थानांतरित लोगों या एक से अधिक स्थानों पर दर्ज नामों से जुड़े हो सकते हैं। उन्होंने कांग्रेस के 'वोट जोर' के आरोप पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि किसी मतदाता का नाम गलत तरीके से हटया गया है तो उसके पास दावा और अपील करने का अवसर मौजूद है। बिहार का जिक्र करते हुए निरुपम ने कहा कि एसआईआर के दौरान बड़ी संख्या में नाम हटाए गए और पात्र मतदाताओं को दावा करने का अवसर दिया गया। उन्होंने दावा किया कि करीब 67 लाख नामों में से केवल 33 हजार दावे सामने आए। हालांकि, चुनाव आयोग के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार बिहार की अंतिम मतदाता सूची में 30 सितंबर 2025 तक करीब 65 लाख मतदाता मसौदा सूची से बाहर हुए थे और बाद की प्रक्रिया में 21.53 लाख पात्र मतदाता जोड़े गए थे। पश्चिम बंगाल का उल्लेख करते हुए निरुपम ने मतदाता सूची से हटाए गए नामों को लेकर भी कांग्रेस से सवाल किए। उन्होंने दावा किया कि बड़ी संख्या में ऐसे मतदाता थे जिन्हें वे अवैध बांलादेशी नागरिक मानते हैं। हालांकि, ऐसे मतदाताओं की पहचान और संख्या को लेकर राजनीतिक दावे अलग-अलग हैं, इसलिए इसे लेकर निरुपम की बात को उनके राजनीतिक बयान के रूप में देखा जाना चाहिए। इस मुद्दे पर कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल एसआईआर के दौरान हटाए गए नामों, दावों और आपत्तियों का विस्तृत आंकड़ा मांग रहे हैं। पश्चिम बंगाल में एसआईआर से जुड़े मामलों में बड़ी संख्या में अपीलों की दाखिल हुई हैं। चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि 38.20 लाख अपीलों दाखिल हुई थीं, जिनमें से करीब 1.02 लाख का निपटारा किया जा चुका था। कांग्रेस नेताओं की ओर से चुनाव आयोग की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए इसे लोकतांत्रिक अधिकारों से जोड़कर निर्विरोध जारी रखने की बात कही गई है। वहीं सत्ता पक्ष से जुड़े नेताओं ने एसआईआर को मतदाता सूची को व्यवस्थित और शुद्ध करने की प्रक्रिया बताया है। चुनाव आयोग ने भी कहा है कि एसआईआर के दौरान छूटे पात्र मतदाता लगातार अद्यतन प्रक्रिया के तहत अपना नाम मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए आवेदन कर सकते हैं। महाराष्ट्र में दावे और आपत्तियां दाखिल करने की समयसीमा 12 अक्टूबर 2026 तक बढ़ाई गई है। एसआईआर को लेकर राजनीतिक दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। एक तरफ कांग्रेस मतदाता सूची से हटाए गए नामों और प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल उठा रही है, वहीं निरुपम समेत सत्तापक्ष के नेता इन आरोपों का विरोध कर रहे हैं।

बॉन्ड यील्ड और डॉलर के असर से सोना-चांदी में गिरावट

- सोने का भाव 1.50 से नीचे, चांदी 2,25,321 रुपए प्रति किलोग्राम



नई दिल्ली ।

वैश्विक स्तर पर बॉन्ड यील्ड में तेजी और अमेरिकी डॉलर की मजबूती के कारण मंगलवार को सोने और चांदी की कीमतों पर भारी दबाव देखा गया। इस वित्तीय दबाव के चलते घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में इन कीमती धातुओं के भाव में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई। अंतरराष्ट्रीय क्मोडिटी बाजार कॉमेक्स पर सोने का वायदा भाव 4,160 डॉलर प्रति औंस के करीब तक लुढ़क गया, जबकि चांदी 61 डॉलर प्रति औंस के आसपास कारोबार कर रही थी। खबर लिखे जाने के समय, कॉमेक्स पर सोना 1.80 डॉलर की गिरावट के साथ 4,166.60 डॉलर प्रति औंस और चांदी 0.75 डॉलर की गिरावट के साथ 60.97 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड कर रही थी। घरेलू बाजार एमसीएक्स पर खबर लिखे जाने के समय सोने के वायदा भाव 1.48,800 लाख रुपये, जबकि चांदी के भाव 2,25,300 लाख रुपये तक गिर गए। सोने का दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट 79 रुपए की गिरावट के साथ 1,48,818 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। वहीं चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट 2,121 रुपए टूटकर 2,25,321 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गया, जो निवेशकों के लिए चिंता का विषय रहा। इस साल सोने ने 1,80,779 रुपए और चांदी ने 4,20,048 रुपए प्रति किलो का उच्चतम स्तर छुआ था।

ऊर्जा सुरक्षा के लिए घरेलू तेल खोज क्षमता बढ़ाए भारत-आयल इं डिया

शिलॉन्ग

भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधानों के कारण ऊर्जा सुरक्षा पर बढ़ते दबाव के बीच भारत को घरेलू स्तर पर तेल की खोज और तकनीकी क्षमताओं को मजबूत करने की आवश्यकता है। ऑयल इंडिया लिमिटेड (ओआईएल) के एक अ धिकारी ने इंडिया एनर्जी वीक (आईईडब्ल्यू) 2027 के शिलॉन्ग में हाल ही में आयोजित ‘कर्टन रेजर’ कार्यक्रम में यह बात कही। उन्होंने कहा कि वैश्विक ऊर्जा उद्योग एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है, जहां जनसंख्या वृद्धि, बढ़ती ऊर्जा मांग, भू-राजनीतिक तनाव और आर्थिक वृद्धि ऊर्जा सुरक्षा पर दबाव डाल रहे हैं। उन्होंने हेमूज जलडमरूमध्य में हाल के व्यवधानों का हवाला देते हुए बताया कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में किसी भी बाधा का ऊर्जा आपूर्ति और कीमतों पर तत्काल असर पड़ता है। उन्होंने भारत के समुद्र से दूर और गहरे पानी में मौजूद विशाल ऊर्जा संसाधनों की संभावनाओं पर जोर दिया। बेहतर आकड़ों, आधुनिक प्रौद्योगिकी, जोखिम साझा करने की व्यवस्था और बुनियादी ढांचे के माध्यम से इन संसाधनों का दोहन करने का सुझाव दिया। उन्होंने समुद्र मंथन जैसी अपतटीय खोज योजनाओं को घरेलू ऊर्जा आपूर्ति मजबूत करने में महत्वपूर्ण बताया। अ धिकारी ने आईईडब्ल्यू की नीति निर्माताओं, उद्योग जगत के लोगों और निवेशकों को जोड़ने वाला एक प्रमुख वैश्विक मंच बताया। 2026 के संस्करण में 120 से अधिक देशों के 75,000 से ज्यादा प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था, जो इस मंच की बढ़ती महत्ता को दर्शाता है।

अनुपम रसायन ने 1,750 करोड़ में ब्लिस जीवीएस फार्मा का किया अधिग्रहण

- विशेष रसायन कंपनी का फार्मा क्षेत्र में विस्तार, दवा उत्पादों के कारोबार में मजबूत एकड़ बनाने का लक्ष्य

नई दिल्ली । विशेष रसायन बनाने वाली अनुपम रसायन इंडिया ने ब्लिस जीवीएस फार्मा में 48.2 प्रतिशत की नियंत्रक हिस्सेदारी 1,750 करोड़ रुपये में अधिग्रहित कर ली है। इस अधिग्रहण के साथ कंपनी ने तैयार दवा उत्पादों के कारोबार में प्रवेश कर अपने पोर्टफोलियो का विविधीकरण किया है। यह अनुपम रसायन का तीसरा रणनीतिक अधिग्रहण है, जो टैनफैक इंडस्ट्रीज और जयहार्म फाइन केमिकल्स के बाद हुआ है। कंपनी ने ब्लिस जीवीएस फार्मा के प्रवर्तकों से हिस्सेदारी 299 रुपये प्रति शेयर की दर से खरीदी, साथ ही खुली पेशकश और बाजार से भी कुछ अतिरिक्त शेयर हासिल किए। कुल 1,750 करोड़ रुपये की इस डील में अधिग्रहण से संबंधित 50 करोड़ रुपये का खर्च भी शामिल है। अनुपम रसायन ने इस सौदे के लिए 300 करोड़ रुपये का सावधि ऋण लिया है, जबकि शेष लगभग 1,450 करोड़ रुपये बैंन कैपिटल के नेतृत्व में निवेशकों जैसे ट्रस्ट ग्रुप और इन्वेस्टेक से गैर-नियंत्रक साधनों के माध्यम से जुटाए गए हैं। यह अधिग्रहण अनुपम रसायन की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुपंगी मेट्स वीजा कंसल्टेंसी के जरिये किया गया।

नई राष्ट्रीय इस्पात नीति जल्द, 2047 तक के लिए खाका होगा तैयार

प्रतिस्पर्धा बढ़ाने और आयात चुनौतियों से निपटने पर जोर

नई दिल्ली ।भारत सरकार इस्पात उद्योग की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने और आयात संबंधी चुनौतियों से निपटने के लिए एक महत्वाकांक्षी नई राष्ट्रीय इस्पात नीति पर काम कर रही है। इस्पात सचिव संदीप पौडि़क ने मंगलवार को इसकी घोषणा करते हुए बताया कि नीति का मसौदा करीब एक सप्ताह में सार्वजनिक किया जाएगा और हितधारकों से सुझाव मांगे जाएंगे। यह नई नीति भारतीय इस्पात क्षेत्र

के लिए 2047 तक के विकास का खाका तय करेगी। इस्पात सचिव संदीप पौडि़क ने मैन्युफैक्चरिंग कॉन्फ्लुएंस 2026 कार्यक्रम में पत्रकारों से बातचीत में बताया कि नई नीति का प्रमुख उद्देश्य सस्ते और घटिया आयात को हतोत्साहित करना होगा, जिसके लिए सुरक्षा शुल्क और डंपिंग रोधी शुल्क जैसे उपाय शामिल किए जाएंगे। इसके साथ ही भारतीय इस्पात उद्योग, विशेषकर छोटे उत्पादकों को प्रौद्योगिकी और लागत के मामले में अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने पर

करोड़ रुपए का निजी ऋण वित्तपोषण सफलतापूर्वक जुटाया है। यह सौदा कंपनी के अंतरराष्ट्रीय विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। गुजरात थेमिस ने एशियाई निजी ऋण कोष ऑरियन कैपिटल एशिया से 58 मिलियन डॉलर (लगभग 9.2 अरब येन) प्राप्त किए हैं। इस राशि का उपयोग मुख्य रूप से जापानी कंपनी के

शेयर बाजार में गिरावट का सिलसिला जारी, सेंसेक्स और निफ्टी लाल निशान पर मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार में मंगलवार को गिरावट का दौर जारी रहा, जहां प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी दोनों लाल निशान पर बंद हुए। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 242.65 अंक गिरकर 72,529.07 के स्तर पर आ गया। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 64.05 अंक फिसलकर 22,716.20 पर बंद हुआ। मंगलवार को दिन के कारोबार में भारतीय बाजारों ने अपने निचले स्तरों से कुछ सुधार दिखाया था, लेकिन यह बहुत देर तक नहीं टिक सका। पश्चिम एशिया में आपूर्ति बाधाओं से जुड़ी बढ़ती कच्चे तेल की कीमतों ने

निवेशकों की चिंताओं को बढ़ा दिया, इससे बाजार पर दबाव बना रहा और अंततः यह लाल निशान में ही बंद हुआ। समग्र क्षेत्रीय धारणा मिली-जुली रही, लेकिन कई प्रमुख खंडों में व्यापक कमजोरी देखी गई।

खासकर सूचना प्रौद्योगिकी और उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं में स्तर पर आ गया। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 64.05 अंक फिसलकर 22,716.20 पर बंद हुआ। मंगलवार को दिन के कारोबार में भारतीय बाजारों ने अपने निचले स्तरों से कुछ सुधार दिखाया था, लेकिन यह बहुत देर तक नहीं टिक सका। पश्चिम एशिया में आपूर्ति बाधाओं से जुड़ी बढ़ती कच्चे तेल की कीमतों ने

सेबी का ग्रोपिटल पर शिकंजा, 192 करोड़ की अवैध निवेश योजना बंद

नियामक ने इसे अनधिकृत समूहिक निवेश योजना घोषित किया

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सेबी) ने ऑनलाइन कृषि निवेश मंच ग्रोपिटल के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। नियामक ने ग्रोपिटल की लगभग 192.88 करोड़ रुपए की अवैध सामूहिक निवेश योजना (सीआइएस) को तत्काल बंद करने का आदेश दिया है। इस योजना के माध्यम से 5,208 निवेशकों से रकम जुटाई गई थी, जिसे सेबी ने अनधिकृत और अनियमित पाया। ग्रोपिटल, जिसकी शुरुआत 2020 में हुई थी, ने निवेशकों को अपनी रकम कृषि परियोजनाओं में लगाने और आकर्षक, सुनिश्चित व कर-मुक्त रिटर्न का वादा किया था।

मंच पर निवेश की शुरुआत 5,000 रुपए जैसी छोटी राशि से की जा सकती थी। अब सेबी ने ग्रोपिटल को न केवल अपनी निवेश योजना बंद करने का निर्देश दिया है, बल्कि निवेशकों से जुटाई गई पूरी रकम 12 प्रतिशत वार्षिक ब्याज के साथ वापस करने का भी आदेश दिया है। इस मामले में सेबी ने ग्रोपिटल से जुड़ी 28 संस्थाओं पर कुल 26.1 करोड़ रुपए का भारी जुर्माना लगाया है। इसके अतिरिक्त आठ व्यक्तियों को अगले पांच वर्षों के लिए शेयर बाजार में कारोबार करने से प्रतिबंधित कर दिया गया है, जबकि 20 अन्य व्यक्तियों और संस्थाओं पर तीन साल का प्रतिबंध लगाया गया है। सेबी की यह कार्रवाई निवेशकों के हितों की रक्षा और अनधिकृत निवेश योजनाओं पर अंकुश लगाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

एस्सार ग्रुप आयोवा में बड़े स्टील प्लांट में करेगा करीब 18 अरब डॉलर का निवेश

ट्रंप ने व्हाइट हाउस में रवि रुड़या और रेवंत रुड़या के साथ किया इसका एलान

नई दिल्ली, ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एलान किया है कि भारतीय कंपनी एस्सार ग्रुप अपनी अमेरिकी सफ़्टडि़यरी मेसाबी मेटालिक्स के जरिए आयोवा में एक बड़े स्टील प्लांट में करीब 18 अरब डॉलर यानी 172800 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में एस्सार ग्रुप के को-फाउंडर रवि रुड़या और मेसाबी मेटालिक्स के चेयरमैन रेवंत रुड़या के साथ यह एलान किया और इस प्रोजेक्ट को अमेरिकी इतिहास का सबसे बड़ा

स्टील प्लांट बताया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक फुली रेडी होने पर इस प्लांट से हर साल 10 मिलियन टन स्टील का उत्पादन होने की उम्मीद है और उत्पादन 2030 में शुरू होने का लक्ष्य रखा गया है। इस प्रोजेक्ट से निर्माण के दौरान हजारों नौकरियां और स्टील व माइनिंग ऑपरेशन्स में करीब 2,000 स्थायी नौकरियां मिलने की उम्मीद है। यह प्रोजेक्ट मिनेसोटा की आयरन ओर खदान

को जोड़ेगा। आयोवा प्लांट एक इंटीग्रेटेड यूएस स्प्लाई चैन का



रहीं। कुल मिलाकर, रक्षात्मक और क्मोडिटी से जुड़े क्षेत्रों ने बाजार को कुछ हद तक सहारा दिया। बाजार में इस गिरावट के पीछे कई प्रमुख कारण रहे। ईरान और अमेरिका के बीच शांति समझौते की उम्मीदें धूमिल होने से निवेशकों में निराशा बढ़ी, जिससे भू-राजनीतिक तनाव बढ़ा। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ाया।

भारत-अमेरिका रिश्तों के लिए गेमचेंजर हो सकता है व्यापार समझौता जयशंकर

जयशंकर ने कहा, समझौते को अंतिम रूप देने की राह में कई चुनौतियां हैं



न्यूर्यांक ।

न्यूर्यांक में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच एक व्यापार समझौता दोनों देशों के संबंधों को बेहतर बनाएगा। हालांकि, उन्होंने स्वीकार किया कि समझौते को अंतिम रूप देने की राह

में कई चुनौतियां हैं, विशेषकर जमीनी हकीकत और अमेरिका के हालिया शुल्क दांचे में हुए बदलावों के कारण। जयशंकर ने एशिया सोसाइटी द्वारा आयोजित एक विशेष संवाद में भारतीय-अमेरिकी समुदाय और नीति विशेषज्ञों को संबोधित करते हुए यह बात कही। जयशंकर ने कहा कि व्यापार वार्ता में तेजी से प्रगति की उम्मीद के सामने जमीनी हकीकत कहीं अधिक जटिल रही है। उन्होंने इसकी वजह भारत में छोटे उत्पादकों, छोटे कृषि उत्पादकों और छोटी फैक्टरी वालों की बहुलता तथा दोनों

वर्मोरा ग्रेनिटो लिमिटेड का शेयर पांच प्रतिशत बढ़त के साथ सूचीबद्ध

- कंपनी का बाजार मूल्यांकन 3,474.93 करोड़ रुपये रहा

नई दिल्ली ।

टाइल और बाथवेयर बनाने वाली कंपनी वर्मोरा ग्रेनिटो लिमिटेड का शेयर अपने 148 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले करीब पांच प्रतिशत की बढ़त के साथ मंगलवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर 152 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ, जो निर्गम मूल्य से 2.70 प्रतिशत अधिक है। एनएसई पर इसने निर्गम मूल्य से 4.72 प्रतिशत की बढ़त के साथ 155 रुपये पर शुरुआत की। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 3,474.93 करोड़ रुपये रहा।वर्मोरा ग्रेनिटो लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को गुरुवार को बोली लगाने के अंतिम दिन 1.58 गुना अभिदान मिला था।

कंपनी के 708 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 140-148 रुपये प्रति शेयर था। राजकोट स्थित कंपनी नए शेयर से मिली राशि का इस्तेमाल अपना कर्ज चुकाने और अपनी अनुषंगी कंपनियों-कवरटेक सेरामिका, वर्मोरा सैनिटोरेवेयर और सिमोला टाइल्स का कर्ज चुकाने में करेगी। इसके अलावा कुछ राशि का इस्तेमाल सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।वर्मोरा ग्रेनिटो लिमिटेड ग्लेड्ड विट्रिफाइड, पॉलिशड विट्रिफाइड और सिरेमिक टाइल्स समेत कई तरह की टाइल बनाती है।

भारत-अमेरिका रिश्तों के लिए गेमचेंजर हो सकता है व्यापार समझौता जयशंकर

जयशंकर ने कहा, समझौते को अंतिम रूप देने की राह में कई चुनौतियां हैं

देशों की प्रति व्यक्ति आय व उत्पादन की प्रकृति में बड़े अंतर को बताया। हालांकि, उन्होंने संतोष व्यक्त किया कि अब दोनों देश व्यापार समझौते को लेकर कमोबेश एक समझ की स्थिति में पहुंच गए हैं। लेकिन इस प्रगति के बावजूद अमेरिकी नीतियों में आए बदलावों ने अंतिम रूप देने में नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। विदेश मंत्री ने बताया कि अमेरिकी उच्चतम न्यायालय द्वारा जवाबी शुल्क रद्द किए जाने के बाद अमेरिका ने एक नया शुल्क ढांचा अपनाया। इसके अलावा अमेरिका ने जुलाई में ‘बंधुआ मजदूरी’

के आरोप में भारत से आयात पर धारा 301 के तहत 10 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क भी लगाया था। जयशंकर ने सवाल उठाया कि अमेरिकी पक्ष में हुए इन बदलावों और धारा 301 की चल रही प्रक्रिया का समझौते पर क्या असर होगा। उन्होंने कहा कि अब मुख्य मुद्दा यह है कि किस बिंदु पर ऐसे समझौते को अंतिम रूप दिया जाए जो काफी हद तक आगे बढ़ चुका है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि आज की कूटनीति में सोशल मीडिया और जनमत की भूमिका महत्वपूर्ण है, जो संबंधों को प्रभावित करती है।

अदाणी समूह का छह साल पुराना एमपीएस मामला सुलझा

- 1.48 करोड़ रुपए का किया गया भुगतान

मुंबई ।

अदाणी समूह के अध्यक्ष गौतम अदाणी सहित समूह की चार प्रमुख कंपनियों और 13 अन्य संबंधित पक्षों ने भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सेबी) के साथ एक छह साल पुराने मामले का निपटारा कर लिया है। यह मामला न्यूनतम सार्वजनिक शेयरहोल्डिंग (एमपीएस) नियमों के कथित उल्लंघन से जुड़ा था, जिसके लिए कुल 1.48 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है। सेबी की वेबसाइट पर 28 सितंबर को पुष्टि किए गए इस सेटलमेंट ऑर्डर के तहत, अदाणी एंटरप्राइजेज, अदाणी पावर, अदाणी पोर्टर्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन और अदाणी ट्रांसमिशन (जो अब अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस है) जैसी कंपनियां शामिल थीं। यह मामला जून और जुलाई 2020 में सेबी को मिली शिकायतों से उभरा था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि कुछ सूचीबद्ध अदाणी कंपनियों में न्यूनतम सार्वजनिक शेयरहोल्डिंग नियमों का पालन नहीं हो रहा है। जांच के बाद सेबी ने सितंबर 2024 में कारण बताओ नोटिस जारी किया था। यह समझौता बिना किसी पक्ष द्वारा तथ्यों या कानूनी निष्कर्षों को स्वीकार या खारिज किए हुए किया गया है।

डेट म्युचुअल फंड में कहां लगता है आपका पैसा? जानें सभी स्कीमें

एएमएफआई गाइड और सेबी के सर्कुलर से स्पष्ट हुई डेट स्कीमों की श्रेणियां



- नई दिल्ली ।

म्युचुअल फंड अब केवल शेयर बाजार तक ही सीमित नहीं रहे, बल्कि निवेशकों के लिए डेट

म्युचुअल फंड भी एक महत्वपूर्ण विकल्प बन गए हैं। ये फंड मुख्य रूप से बॉन्ड और फिक्स्ड इनकम सिक्योरिटीज में निवेश करते हैं, जिसका उद्देश्य आय देना और पूंजी को सुरक्षित रखना है। एसोसिएशन ऑफ म्युचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्पी) की हालिया गाइड और सेबी के दिशानिर्देशों के अनुसार, इन स्कीमों को निवेश की अवधि, जोखिम और सिक्योरिटीज के प्रकार के आधार पर विस्तार से वर्गीकृत किया गया है। सेबी के मार्च 2026 के मास्टर सर्कुलर के अनुरूप, सबसे कम अवधि के

फंड में ओवरनाइट फंड (एक दिन की मैच्योरिटी) और लिक्विड फंड (91 दिन तक की मैच्योरिटी) शामिल हैं। अल्ट्रा शॉर्ट टर्म फंड की मैकाले अवधि 3 से 6 महीने होती है, जबकि मनी मार्फेट फंड एक साल तक की मैच्योरिटी वाले इंस्ट्रूमेंट्स में निवेश करते हैं। लंबी अवधि के लिए शॉर्ट टर्म फंड (1-3 साल मैकाले अवधि), मीडियम टर्म फंड (3-4 साल) और लॉन्ग टर्म फंड (7 साल से अधिक) मौजूद हैं।

विशिश्रेणियों में कॉरपोरेट बॉन्ड फंड (80 फीसदी से अधिक एए प्लस रेटिंग वाले बॉन्ड), बैकिंग एंड पीएस्पय फंड (बैंक, पीएस्पय के डेट इंस्ट्रूमेंट्स) और गिल्ट फंड (80 फीसदी से अधिक सरकारी सिक्योरिटीज) शामिल हैं। क्रेडिट रिस्क फंड अधिक जोखिम वाले एए या उससे नीचे की रेटिंग वाले बॉन्ड में निवेश करते हैं। निवेशकों को सलाह दी गई है कि वे केवल पिछले रिटर्न पर ध्यान न दें, बल्कि स्कीम की निवेश रणनीति, पोर्टफोलियो की अवधि और निहित जोखिमों को समझकर ही निवेश का निर्णय लें।



नीरू ढांडा ने रचा इतिहास: एशियाई खेलों में ट्रैप शूटिंग का पहला महिला गोल्ड, 48 साल का सूखा खतम

नागोया (एजेंसी)। एशियाई खेलों में भारत के लिए एक और स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया है। नैरू बाइ ने शूटिंग में महिलाओं की टैप शूटिंग एकाद सपर्था में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया है। यह 2026 एशियाई खेलों में भारत का पाँचवाँ गोल्ड मेडल और कुल 47वाँ पदक है, जिससे भारत पदक तालिका में ग्यारहवें स्थान पर आ गया है। नैरू की यह जीत इसलिए भी ऐतिहासिक है, क्योंकि उन्होंने न केवल एशियाई खेलों का रिकार्ड तोड़ा बल्कि एशियाई खेलों के इतिहास में टैप शूटिंग की एकल सपर्था में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला शूटर भी बन गई हैं। नैरू बाइ ने फाइनल मुकाबले में शानदार प्रदर्शन किया। उन्हें 30 शॉट मिले, जिनमें से उन्होंने 28 पर सटीक 30 शॉट साधे, जिससे उन्होंने एशियाई खेलों का नया रिकार्ड स्थापित

किया। इस प्रदर्शन के साथ वह एशियाई खेलों की चैंपियन बनने के साथ-साथ रिकॉर्ड होल्डर भी बन गईं हैं। इस स्पर्धा में चीन की सुन युनगोंग ने 26 के स्कोर के साथ रजत पदक हासिल किया, जबकि कुवैत की हजर अब्दुलमलिक ने 21 के स्कोर पर कांस्य पदक जीता।

ट्रेप शूटिंग की बात करें तो, नीरू से पहले एशियाई खेलों के 75 साल के इतिहास में कोई भी भारतीय महिला शूटर ट्रेप एकल स्पर्धा का गोल्ड नहीं जीत पाई थी। नीरू ऐसा करने वाली पहली महिला एथलीट बनी हैं। उन्होंने क्रांतीफिकेशन राउंड में भी बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए कतर की शूटर के साथ संयुक्त रूप से 118 के स्कोर के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया था, जो उनकी शानदार फॉर्म का प्रमाण था। भारत ने ट्रेप शूटिंग इवेंट में आखिरी बार एकल स्पर्धा का गोल्ड मेडल

48 साल पहले, साल 1978 में जीता था। उस समय पुरुषों की टैप शूटिंग की एकल स्पर्धा में रणधीर सिंह ने गोल्ड जीता था। उसके बाद से एशियाई खेलों की टैप शूटिंग एकल स्पर्धा में भारत गोल्ड पर निशान नहीं साध पाया था। साल 2026 नीरू के लिए काफी बढ़िया गुजरा है। वो इसी साल जुलाई में टैप शूटिंग में वर्ल्ड कप गोल्ड मंडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला शूटर बनी थीं। उन्होंने इटली की गैले ग्रॉन्टन वर्ल्ड कप के टैप इवेंट में वर्ल्ड कप गोल्ड जीत लिया था। इस स्पर्धा के साथ, भारत के कुल स्वर्ण पदकों की संख्या 5 हो गई है। अब तक भारत के लिए महिला क्रिकेट टीम, महिला और पुरुष कबड्डी टीम, शूटिंग में कमलजीत और सुरुचि सिंह ने भी गोल्ड मंडल जीते हैं। भारत के कुल पदकों की संख्या 47 हो गई है।



2027 वनडे वर्ल्ड कप का शेड्यूल 1 अक्टूबर को होगा घोषित, 14 टीमों लेंगी हिस्सा

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेट प्रशंसकों के लिए एक बड़ी खबर सामने आई है। अगले साल खेले जाने वाले 2027 वनडे वर्ल्ड कप के शेड्यूल का एलान 01 अक्टूबर, गुवाहाटी को किया जाएगा। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और क्रिकेट साउथ अफ्रीका मिलकर इस महाकुंभ का पूरा कार्यक्रम तैयार करेगा। यह टूर्नामेंट अफ्रीका के तीनों देशों दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की मेजबानी में खेला जाएगा। इस बार 14 टीमें खेलती हुई नजर आएंगी जिसके साथ टूर्नामेंट के फॉर्मेट में भी बदलाव किया गया है। शेड्यूल के एलान के साथ ही टिकटों के लिए बलेट भी शुरू होगा। हालांकि टिकट तुरंत खरीद के लिए उपलब्ध नहीं होंगे, लेकिन फैंस अपनी रुचि रजिस्टर कर सकेगें।



जाएंगी। इनमें से दो टीमें मेजबान देश दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे होंगी। बाकी आठ टीमें आईसीसी की वनडे रैंकिंग के आधार पर सीधे जगह हासिल करेंगी। शेष चार टीमें क्वालिफायर के जरूरी टूर्नामेंट में प्रवेश करेंगी और उन्हें श्रृंखला में क्वालिफायर 1, 2, 3 और 4 के तौर पर सूचीबद्ध किया जाएगा। गौर करने वाली बात यह है कि मेजबान देश नामीबिया का क्वालिफिकेशन अभी तक पक्का नहीं हो सका है।

रिपोट में शङ्खुल की तारीख को लेकर बताया गया है। इसके साथ यह भी बताया गया है कि दुर्गमों अगले साल 02 अक्टूबर से शुरू होने की उम्मीद है। अफ्रीका में होने वाले विश्व कप की शुरूआत को भारत के राष्ट्रपति महाम्मा गांधी की जयंती से जोड़ा जा रहा है, और शुरू से चलते अफ्रीकी जयंती के दिन दुर्गमों को शुरू करने के विचार किया जा रहा है। अक्टूबर की शुरुआत में शुरू होने वाला दुर्गम टूर्नामेंट नवंबर में समाप्त होगा। खिताबी मैच 21 नवंबर को खेले जाने की संभावना है।

वर्ल्ड कप में हिस्सा लेने वाली 14 में से 10 टीमें 30 सितंबर तक तय हो

फिलहाल रैंकिंग के हिसाब से जगह बनाने की दौड़ में भारत (नंबर 1), न्यूज़ीलैंड (नंबर 2), पाकिस्तान (नंबर 3), ऑस्ट्रेलिया (नंबर 5), इंग्लैंड (नंबर 6), श्रीलंका (नंबर 7), अफगानिस्तान (नंबर 8) और बांग्लादेश (नंबर 9) शामिल हैं। बांग्लादेश 9वें पायदान पर रहकर भी जगह हासिल कर सकता है क्योंकि तीसरे नंबर की दक्षिण अफ्रीका मेजबान के तौर पर अपनी जगह हासिल कर चुकी है। वहीं, वेस्टइंडीज जैसी कुछ बड़ी टीमों को क्वालिफायर के जरिए ही टूर्नामेंट में जगह हासिल करनी होगी, जिससे प्रतिযোগिता और भी रोमांचक होने की उम्मीद है।

**भारतीय मूल की बोधना शिवानंदन
बनीं सबसे युवा महिला ग्रैंडमास्टर,
रचा शतरंज का इतिहास**



नई दिल्ली। भारतीय मूल की 11 वर्षीय बोधना शिवानन्दन ने शतरंज के खेल में एक नया इतिहास रच दिया है। बोधना ने उज्बेकिस्तान के समरकन्द में आयोजित 46वें चेस ओलंपियाड में इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व करते हुए अपना तीसरा और अंतिम वुमन ग्रैंडमास्टर (डब्ल्यूजीएम) भी हासिल किया। इस उपलब्धि के साथ, बोधना इतिहास में वुमन ग्रैंडमास्टर का खिताब जीतने वाली सबसे युवा खिलाड़ी बन गई हैं। उन्होंने इंग्लैंड की महिला टीम के लिए टॉम बोर्डो पर खेले हुए टीम की प्रशंसाएं अयुवाड़ी की, जहाँ उन्होंने छह मामलों जीते और 8/0/11 का शानदाराली स्कोर हासिल किया, जिससे उन्हें इंग्लैंड महिला वर्ग में 15वें स्थान पर रहा। बोधना स्वयं बोर्डो 1 पर टूर्नामेंट की 13वीं सबसे बेहतरीन खिलाड़ी रही। इससे पहले, सबसे युवा वुमन ग्रैंडमास्टर का रिकॉर्ड रूस की ग्रैंडमास्टर कैटरिना लैवोवो ने नाम पर था, जिन्होंने 12 साल की उम्र में यह खिताब जीता था। उनके अलावा, चीन की पूर्व वर्ल्ड चैंपियन होउ यिफान ने भी 12 साल की उम्र में यह खिताब हासिल किया था। बोधना ने इन दोनों दिग्गजों का रिकॉर्ड तोड़ते हुए एक साल पहले ही यह सम्मान अपने नाम किया है। शिवानन्दन की शतरंज यात्रा कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान शुरू हुई थी।

विराट कोहली का गुवाहाटी से गहरा नाता: 56वें शतक की उम्मीदें

नई दिल्ली (एजेन्सी)। विराट कोहली एक बार फिर ग्लोबल टेस्ट के बरसपावा क्रिकेट स्टेडियम में लौट रहे हैं, जहाँ उनका बल्ले अक्सर आग उगलता है। लगभग तीन साल बाद किंग कोहली का यह आगमन भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों के लिए किसी त्योहार से कम नहीं, खासकर तब जब उनसे उम्र के 56वें एकदिवसीय शतक की उम्मीद की जा रही है। यह मैदान विराट के लिए किसी शिकारी के पसंदीदा जंगल से कम नहीं, जहाँ वह पहले भी बड़े शिकार कर चुके हैं। उनके चेहरे की मुस्कान तिरुवनंतपुरम से गुवाहाटी की उड़ान भरते समय ही बता रही थी कि उनके सस्र मैदान से कितना लागे हैं। यह मैच बुधवार 30 सितंबर को खेला जाना है।

पिछली बार जनवरी 2023 में जब विराट ने यहां श्रीलंका के खिलाफ अपना 45वां वनडे शतक जड़ा था, तो वह 2023 विश्व कप की तैयारियों का शुरुआती हिस्सा था। उस मौक़े में भारत के नवज्योति

प्रदर्शन किया था। रोहित और युधमन मिल ने 1430 ई. की मजबूत साक्ष्यदारी करके नींव रखी थी। जिसके बाद विपद कोहेली क्रीज पर आया। उनका आगमन किसी बड़े तूफान से पहले की शक्ति जैसा था, जिसने देखते ही देखते श्रीलंकाई गेंदबाजों को बेमैद कर दिया। विराट ने अपनी टेडमार्क शैली में बल्लेबाजी करते हुए महज 87 गेंदों में 113 रनों की बल्लेबाजी पूरी करी। उन्होंने, जिसमें 12 चौके और 1 छक्का शामिल था। उनका स्ट्राइक रेट 130 का रहा था, जो दर्शाता है कि उन्होंने कितने आक्रामक अंदाज में रन बनाए। चाहे वह श्रीलंकाई बाएं हाथ के तेज गेंदबाज दिलशान मधुसूका हों, या वरिष्ठ हस्तरंगा, दुनिया खेललागे और दामन शानका जैसे स्पिनर, काई भी चौकू चैंपियन को रोक नहीं पाया। उस शतकीय रनों में भारत को एक विशाल स्कोर देकर पहुंचने में मदद की और मैच को एकतफा बना दिया। उस 45वें शतक के बाद विराट ने अपने बल्ले

2027 विश्व कप की तैयारियों के बीच उनसे 56वें शतक की उम्मीदें आसमान छू रही हैं। उनका फॉर्म भी लगातार शानदार रहा है और वे क्रिकेट के सबसे बड़े खिलाड़ियों में से एक के रूप में अपनी प्रतिष्ठा को लगातार मजबूत कर रहे हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ इस श्रृंखला में उनका प्रदर्शन टीम के लिए बेहतरीन महत्वपूर्ण है, खासकर तब जब भारत 2027 विश्व कप के लिए अपनी रणनीति को आकार देने में विचार की बल्लेबाजी से न सिर्फ उन्हें बल्लि कमाना रोहित शर्मा जैसे अन्य खिलाड़ियों को भी फायदमिलता है। उन्होंने सचिन तेंदुलकर के बाद 15,000 अंतरराष्ट्रीय पारी पूरे करने वाले दूसरे भारतीय बल्लेबाज बनकर कंडील के पक्षर भी हासिल किए हैं। गुवाहाटी में उनका यह आगमन, उनकी पुरानी सफलताओं की याद दिलाते हुए, एक और ऐतिहासिक पारी की उम्मीद जगाता है। उनके पैसों और एक क्रिकेट जगत् के सबसे बड़े पेशेवरों

एशियाई खेलों में भारत का जैवलिन में डबल धमाल: यशवीर को सिल्वर, रोहित को ब्रॉन्ज

नागोया (एजेंसी) एशियाई खेल 2026 में भारत की पुरुषों की बलिष्ठ श्रो सपर्धों में दोहरे पदक का गौरव स हुआ है। इस इवेंट में यशवीर सिंह ने नन्दार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीतने नाम किया, जबकि रोहित यादव ने रण्य पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया। इस सपर्धों में श्रीलंका के रमेश थिरगो ने 88.55 मीटर के श्रो के साथ रण पदक जीता और शीर्ष स्थान पर रहे। यशवीर सिंह ने आपने छठे और अंतिम यशस में 85.72 मीटर का ब्यक्तिगत वंश्रेष्ठ श्रो दर्ज करते हुए सिल्वर मेडल कब्जा किया। उन्होंने 83.56 मीटर के र्ध के साथ इवेंट की शुरुआत की थी। गौरव से बाली वात यह है कि उनके सभी छह रणसों में उन्होंने 80 मीटर से अधिक की र्ध प्राप्त की, जो उनका निरंतरता और कत को दर्शाता है। यशवीर को चोटिल



नीरज चोपड़ा की जगह एशियाई खेलों में मौका मिला था, और उन्होंने इस अवसर को पूरी तरह से भुनाते हुए भारत की झोली में एक महत्वपूर्ण रजत पदक डाल दिया।

वहीं, रोहित यादव की शुरुआत ज्यादा कुछ खास नहीं रही थी। उन्होंने



एशियन गेम्स 2026 : पदक तालिका में चीन शीर्ष पर कायम, भारत 12वें स्थ

नागोया | एशियन गेम्स 2026 में चीन ने पदक तालिका में अपना दबदबा बनाए रखा है। सोमवार तक के आंकड़ों के अनुसार, चीन 230 पदकों के साथ पहले स्थान पर है, जबकि जापान और साउथ कोरिया टॉप-3 में मौजूद हैं। भारत कुल 4 पायदान पर है। चीन और जापान के बीच कुल पदकों का अंतर भी काफी बड़ा है। चीन ने 230 पदकों के मुकाबले जापान के खतों में 172 पदक हैं। दोनों देशों के बीच 91 स्वर्ण पदक का अंतर है, जो चीन के जबरदस्त प्रदर्शन को दर्शाता है। 230 पदक हासिल किए हैं, जिनमें 132 स्वर्ण, 53 रजत और 45 कांस्य पदक शामिल हैं। चीन ने तैराकी में सर्वाधिक 30 स्वर्ण जीते हैं, और एथलेटिक्स में यह देश कुल 32 पदक अपने नाम कर चुका है। वहीं, मेजबान जापान 41 स्वर्ण, 66 सहित कुल 172 पदक के साथ दूसरे स्थान पर है। एथलेटिक्स में इस देश के नाम 8 स्वर्ण सहित कुल 28 पदक हैं। साउथ कोरिया कुल 91 पदक के साथ तीसरे स्थान पर है, जिनमें 21 स्वर्ण, 26 रजत और 44 कांस्य हैं। इस देश ने फेंसिंग पदक जीते हैं। इसके बाद उज्बेकिस्तान चौथे स्थान पर है, जिसने कुल 45 पदक (12 स्वर्ण, 17 रजत और 13 कांस्य) अपने नाम कर लिए हैं। यह देश कुश्ता में 4 स्वर्ण जीत चुका है, वहीं रोंडॉ और कैनो स्प्रिंग में उज्बेकिस्तान ने 9-9 पदक जीते और 23 कांस्य सहित चौथे स्थान के साथ कजाकिस्तान टॉप-5 में है, जिसने साइकिलिंग रोड में 13 स्वर्ण जीते हैं। भारत कुल 45 पदक के साथ 12वें स्थान पर है। इनमें 4 स्वर्ण, 20 रजत और 21 कांस्य पदक हैं। भारत के स्कवॉड पटीम, पुष्प और महिला कबड्डी टीमों के साथ निशानेबाजी की 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम का योगदान है। एथलेटिक्स में भारत ने सर्वाधिक 19 पदक, जबकि शूटिंग में 12 पदक जीते हैं, जो इन खेलों में देश की मजबूत संकड़ों को दर्शाता है।

एशियन गेम्स क्रिकेट : भारत-श्रीलंका, पाकिस्तान-बांग्लादेश सेमीफाइनल में, बारिश से तय हुई टीमें

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशियाई खेलों में क्रिकेट इवेंट्स पर खराब मौसम की मार लगाता जारी है, जिसके चलते कई मैच रह गए और बेहतर स्थिति के आधार पर टीमों ने सीमोफाइनल में जगह बनाई। अब पुरुषों के क्रिकेट इवेंट के सीमोफाइनल मुकाबले तय हो गए हैं। भारतीय समानांतर 1, अक्टूबर को दो बड़े मुकाबले खेले जाएंगे, जिसमें भारत और श्रीलंका के बीच दूरा सीमोफाइनल सुबह 10-30 बजे से शुरू होगा। वहीं, पहला सीमोफाइनल पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच खेला जाएगा। भारत और श्रीलंका दोनों ने ही बारिश के कारण अपने क्रॉट फाइनल रहने के बाद बेहतर सीटों या रैंकिंग के आधार पर सीमोफाइनल में प्रवेश किया है। श्रीलंका को नेपाल के खिलाफ अपने तीसरे क्रॉट फाइनल में बारिश के कारण खेलने का मौका नहीं मिला और उनकी बेहतर रैंकिंग के उद्देश्य से, भारत और श्रीलंका का टिकट दिया गया। इसी तरह, भारतीय टीम ने भी लीग स्टेज में अपने बेहतर रैंकिंग और रैंकिंग के दम पर शीर्ष-4 में जगह पायी की थी, जबकि खराब मौसम के कारण भारत के क्रॉट फाइनल मैच को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं थी। अब यह निश्चित हो गया है कि



दोनों दिमें 1 अक्टूबर को फाइनल में जगह बनाने के लिए एक-दूसरे से भिड़ेंगे।

दूसरी ओर, पहला सेमीफाइनल पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच खेला जाएगा। बांग्लादेश को भी अपने चीजों के आखिरी क्रांटी फाइनल में मलेशिया के खिलाफ बारिश का सामना करना पड़ू और वह मुक़ाबला भी दह हो गया। बांग्लादेश ने अपनी बेहतरी सीडिंग के आधार पर सेमीफाइनल में एंटी मारी। पाकिस्तान, जो दूसरी की सबसे मजबूत टीमों में से एक मानी जाती है, पहले ही

अपनी अच्छी रैंकिंग के दम पर सेमीफाइनल में जगह बना चुकी थी। इन दोनों टीमों के बीच का मुकाबला भी काफी रोमांचक होने की उम्मीद है।

यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि क्रिकेट इवेंट को पिछली दफा चीन के हांगझोऊ में खेले गए एशियाई खेलों में पहली बार शामिल किया गया था। तब भारतीय टीम ने रतुराज गायकवाड़ की कप्तानी में गोल्ड मेडल जीता था। उस समय भी फाइनल मुक़ाबला वर्षाबाधित रहा था। अफगानिस्तान ने पहले

बल्लेबाजी करते हुए 18.2 ओवर में 5 विकेट पर 112 रन बनाए थे, जिसके बाद बारिश आ गई और मैच आगे नहीं बढ़ पाया। ऐसे में भारतीय टीम को बेहतर स्थिति के आधार पर बिना बल्लेबाजी किए ही स्कॉच पदक से नवाजा गया था। मौजूदा टूर्नामेंट में भी भारतीय टीम अपने खिलाड़ों को बरकरार रखने की प्रवृत्ति देखने वाली जा रही है और वह एक बार फिर स्कॉच पदक अपने नाम करने की पूरी कोशिश करेगी।



जोहान्सबर्ग । साउथ अफ्रीका के खिलाफ दूसरे वनडे में ऑलर हार का सामना करना पड़ा, लेकिन इस मुकामले में टीम ने अपने नाम कर लिया। 366 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा टीम 49.5 ओवर में 333 रनों पर ऑलआउट हो गई। यह वन में असफल वन चेज के दौरान ऑस्ट्रेलिया का सबसे बड़ा रन-इस मामले में अपने ही पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। इस का असफल चेज में सबसे बड़ा स्कोर 326 रन था, जो उसने के खिलाफ बनाया था। उस वन में भारत ने रोहित शर्मा के बटौर 77 विकेट पर 383 रन बनाए थे। जवाब में, जॉर्ज ऑस्ट्रेलियाई टीम 45.1 ओवर में 326 रन पर ऑलआउट हो गई। फॉकनर ने 73 गेंदों पर 116 रनों की तूफानी पारी खेलें हासिल नहीं कर सकी थी।

इस मुकाबले में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने वाले ऑस्ट्रेलियाई टीम के गेंदबाजों को दावंडरस स्टेडियम के मिली। साउथ अफ्रीका के दोनों सलामी बल्लेबाज जल्दी आउटम्बाबाबुमा ने 116 गेंदों पर 103 रन और डेविड मिलर ने 9 तूफानी पारी खेलकर टीम को 50 ओवर में 9 विकेट पर 361 तक पहुंचाया।

जवाब में, ऑस्ट्रेलिया ने शानदार शुरुआत की। मिचेल मार्श जिसमें 10 चौक और 5 छक्के शामिल थे, और ट्रैविस हेड बनाकर पहले विकेट के लिए 17 ओवर में 130 रनों का फौटुइन ने इस साझेदारी को तोड़ा, जिसके बाद क्रूप कॉर्नो और ट्रैविस हेड को एडेन मार्कर-मैन ने एलबीडब्ल्यू किया। शुरुआत की तीसरी ओवर में, लेकिन कोई भी बड़ी पारी में तब्दील नहीं हुआ 40वें ओवर तक 251 रन बनाए थे, लेकिन इसके बाद टीम दिए और मैच पूरी तरह उसके हाथ से निकल गया। निचले क्र केवल 28 मैदान पर पांच छकों की मदद से तेजतर्रार 50 रन के पार पहुंचाया। उनकी आक्रामक पारी ने मुकाबले में कुल लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सकी और ऑस्ट्रेलिया 49.1 ऑलआउट हो गई।

इस हार के साथ साउथ अफ्रीका ने तीन मैचों की वनडे सी-
बढ़त बना ली है। सीरीज का तीसरा और आखिरी वनडे :
पार्क, पोटचेफस्ट्रूम में खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज
का पीछा करते हुए गंवाए हैं। अब यह देखना दिलचस्प होगा





राधिका आप्टे का खुलासा

अभिनेत्री राधिका आप्टे ने अपनी आगामी फिल्म लस्ट स्टोरीज 3 को लेकर एक साक्षात्कार में फिल्मों में जरूरत से ज्यादा न्यूडिटी और बोल्ड सीन पर अपनी राय रखी है। उन्होंने अपने करियर के शुरुआती दौर का एक निजी अनुभव साझा करते हुए बताया कि कुछ फिल्ममेकर्स ने उनके बोल्ड किरदारों को लेकर एक ऐसी धारणा बना ली थी कि वे उनसे किसी भी तरह के बोल्ड सीन के लिए आसानी से तैयार होने की उम्मीद करते थे, चाहे उसकी कहानी या स्क्रिप्ट में जरूरत हो या नहीं। राधिका के अनुसार, उन्हें कई बार बिना किसी खास वजह के अपने सह-कलाकारों को किस करने के लिए कहा गया। उन्होंने एक उदाहरण दिया जहाँ एक फिल्म के दौरान उनसे एक एक्शन सीन इनरवियर में करने के लिए भी कहा गया था, जिसे अभिनेत्री ने हेरान करने वाला बताया क्योंकि उसका कहानी से कोई खास संबंध नहीं था। अभिनेत्री ने स्पष्ट किया कि उन्हें कई मौकों पर यह साफ करना पड़ता था कि वह केवल इसलिए कोई सीन नहीं करेंगी क्योंकि उनसे इसकी उम्मीद की जा रही है।



कृति द्वारा अपनी फिल्म के ट्रेलर की तारीफ

अभिनेत्री कृति सेनन ने आगामी फिल्म पहला प्यार दूसरी बार के हाल ही में रिलीज हुए ट्रेलर की जमकर तारीफ की है। युवा दर्शकों के बीच लगातार चर्चा में बनी इस यूथ एंटरटेनर को बॉलीवुड सेलेब्स का भी प्यार मिल रहा है। कृति ने फिल्म की नई स्टारकास्ट को सोशल मीडिया पर शुभकामनाएं देते हुए अपना पूरा सपोर्ट दिया। कृति सेनन ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म का ट्रेलर साझा करते हुए लिखा, उनकी रंजी एनर्जी वाली इस रिफ्रेशिंग कास्ट को ढेर सारा प्यार और लक! ट्रेलर मजेदार लग रहा है। उन्होंने अपनी पोस्ट में फिल्म की कास्ट और निर्देशक अनुज सेनी को भी टैग किया, जिससे फिल्म की टीम के लिए उनका यह सपोर्ट काफी खास बन गया है। लव फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत इस फिल्म का निर्देशन अनुज सेनी ने किया है, और इसे लव रंजन व अंकुर गर्ग ने प्रोड्यूस किया है।

मिर्जापुर: द मूवी 300 करोड़ के पार



पंकज त्रिपाठी और दिव्येंद्र स्टारर मिर्जापुर- द मूवी ने बॉक्स ऑफिस पर अपना दबदबा बनाए रखते हुए दुनियाभर में 300 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। एक्सेल एंटरटेनमेंट और अमेजन एमजीएम स्टूडियोज की यह फिल्म वीकेंडज में भी दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने में कामयाब रही है, जिससे इसकी कमाई की रफ्तार बरकरार है। फिल्म ने सोमवार को 1.65 करोड़ रुपये, मंगलवार को 1.40 करोड़ रुपये और गुरुवार को 1.20 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया, जो नई फिल्मों की रिलीज के बीच भी इसकी मजबूत बॉक्स ऑफिस पकड़ को दर्शाता है। मिर्जापुर- द मूवी ने सिर्फ भारतीय बॉक्स ऑफिस पर ही नहीं, बल्कि विदेशी बाजारों में भी अपनी छाप छोड़ी है और साल की तीसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली ओवरसीज फिल्मों में शामिल हो गई है। एक ओटीटी ओरिजिनेटेड फंवाइजी का बड़े पर्दे पर आकर 300 करोड़ का आंकड़ा पार करना एक खास उपलब्धि मानी जा रही है।

हेली शाह का नया फेस्टिव सॉन्ग गलगोटो रिलीज

ओटीटी शो चुंबक में अपने कॉमेडी रोल से दर्शकों का मनोरंजन करने के बाद, अब प्रतिभाशाली एक्ट्रेस हेली शाह एक बिल्कुल अलग अंदाज में नजर आ रही हैं। हेली शाह का नया फेस्टिव सॉन्ग गलगोटो रिलीज हो गया है, जिसे खास तौर पर आगामी नवरात्र सेलिब्रेशन से पहले जारी किया गया है। गलगोटो गाने में हेली शाह और देवर्षि शाह की जोड़ी दर्शकों को मंत्रमुग्ध करती नजर आ रही है। इस गाने को मोनाली ठाकुर, पार्थ ओझा और सुहित अभ्यंकर जैसे लोकप्रिय गायकों ने अपनी आवाज दी है, जिससे इसमें एक अलग ही ऊर्जा का संचार हुआ है। गलगोटो को लेकर हेली शाह भी बेहद उत्साहित हैं और उन्होंने अपनी खुशी जाहिर की। एक्ट्रेस ने गाने के बारे में बात करते हुए कहा, इसे सुनते ही किसी का भी उठकर डांस करने का मन करने लगता है। इस गाने की शूटिंग का पूरा एक्सपीरियंस काफी एनर्जी से भरा हुआ था। मैं चाहती हूँ कि लोग इस गाने के साथ नवरात्र सेलिब्रेट करें और इसे खूब एंजॉय करें। हेली ने आगे बताया कि गाने का म्यूजिक वीडियो भी पूरी तरह से फेस्टिव फील देता है। इसमें तेज बीट्स, एनर्जेटिक म्यूजिक और कलरफुल विजुअल ट्रीटमेंट का खूबसूरती से इस्तेमाल

किया गया है, जो उत्सव के माहौल को चार चांद लगा देता है। नवरात्र के दौरान गरबा और डांस के माहौल को देखते हुए, गाने की पूरी फील को काफी जशन वाला रखा गया है, ताकि दर्शक इसमें पूरी तरह से डूब सकें। गलगोटो को सुहित अभ्यंकर ने कंपोज किया है, जबकि इसके प्रेरणादायक लिрикस जय तन्ना ने लिखे हैं। पीयूष शंकर ने इस गाने को प्रोड्यूस किया है, और तीनों अलग-अलग आवाजों का मिश्रण इसे संगीत और ऊर्जा के मामले में काफी अनूठा बनाता है। सिंगर मोनाली ठाकुर ने भी गलगोटो को लेकर अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, यह गाना एनर्जी, रिदम और खुशी से भरा हुआ है। लोग इस गाने पर दिल खोलकर डांस करेंगे और इस साल नवरात्र में इसे अपनी प्लेलिस्ट का हिस्सा बनाएंगे। टाइम्स म्यूजिक के सीईओ मंदार ठाकुर ने गाने की सांस्कृतिक प्रासंगिकता पर टिप्पणी करते हुए कहा, नवरात्र देश के सबसे बड़े कल्चरल सेलिब्रेशन में से एक है। गलगोटो में इसके लिए जरूरी एनर्जी, म्यूजिक और विजुअल अपील को एक साथ लाने की कोशिश की गई है। गाने का फेस्टिव साउंड और इसका विजुअल ट्रीटमेंट नवरात्र के माहौल को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।



सामंथा के वर्कआउट का वीडियो वायरल



मां बनने वाली सामंथा रुथ प्रभु ने अपनी प्रेग्नेंसी फिटनेस रूटीन की एक झलक साझा करते हुए दिखाया है कि वह अपने बदलते शरीर की बात को कितना महत्व देती हैं। दिसंबर में अपने पति और फिल्ममेकर राज निदिमोर् के साथ अपने पहले बच्चे का स्वागत करने वाली यह एक्ट्रेस, जो अपनी प्रेग्नेंसी के तीसरे ट्राइमेस्टर में हैं, ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपने लेटेस्ट वर्कआउट सेशन का एक वीडियो शेयर किया। वीडियो में सामंथा को सीटेड केबल रो करते हुए देखा जा सकता है, जो पीठ के ऊपरी हिस्से और बाहों पर काम करने वाली एक स्ट्रेथ-ट्रेनिंग एक्सरसाइज है। कंट्रोल के साथ मूवमेंट करते हुए उनका बहता बेबी बंप भी दिख रहा था। वीडियो साझा करते हुए उन्होंने लिखा, एक तरफ आखिर तक मजबूत और दूसरी तरफ प्लीज मुझे उठने के लिए मत कहो वाली भावना। सामंथा अपनी प्रेग्नेंसी के दौरान काफी एक्टिव बनी हुई हैं।



सही मकसद वाले किरदार का था इंतजार

टीवी की दुनिया में अपनी एंटिंग और अलग अंदाज से पहचान बनाने वाली रश्मिदेसाई एक बार फिर छोटे पर्दे पर वापसी करने जा रही हैं। लंबे समय बाद अभिनेत्री नए शो 'सयोनी' में नजर आ रही हैं। रश्मि के लिए यह वापसी सिर्फ एक ओरटीवी प्रोजेक्ट का हिस्सा नहीं है, बल्कि एक ऐसे किरदार के साथ पर्दे पर लौटनेका मौका है, जिससे वह खुद को जोड़ पाई हैं। 'सयोनी' को लेकर उत्साह जाहिर करते हुए रश्मि ने कहा, ' 'शो में मेरा किरदार माया सिर्फ एक कल्पना नहीं है, बल्कि एक बहुत ही प्रैटिकल किरदार है। मुझे कई ऑफर मिले थे, लेकिन मैंने उन्हेंमना कर दिया क्योंकि मैं उन कहानियों और किरदारों से जुड़ाव महसूस नहीं कर पा रही थी। हर कलाकार चाहता है कि उसे ऐसा किरदार मिले, जो अच्छी तरह लिखा गया हो और जिसे निभाने में उसे कुछ खास महसूस हो।' ' रश्मि ने कहा, ' 'मे टीवी पर कम्बैक नहीं दूँद रही थी, मैं किसी मकसद की तलाश में थी। शो के प्रोड्यूसर सरगुन मेहता और रवि दुबे, दोनों वाकई टीवी पर शानदार काम कर रहे हैं। डायरेटर उम भेलावत भी कमाल के इंसान हैं। कैमरे के पीछे काम करने वाले लोगों को असर दर्शक नहीं जानते, लेकिन किसी कहानी को सही दर्शकों तक पहुंचाने में इन लोगों की भूमिका बहुत अहम होती है।' ' अभिनेत्री ने अपने इस इंतजार को लेकर कोई पछतावा भी नहीं जताया। उन्होंने कहाकि अच्छा हुआ कि उन्होंने लंबे समय तक इंतजार किया और अपनी भावनाओं केसाथ ईमानदार रही। रश्मि का कहना है कि वह कभी भी जल्दबाजी में फैसले नहीं लेती और इस बार भी उन्होंने वही किया। उनके लिए सिर्फ स्क्रीन पर दिखाई देना जरूरी नहीं था, बल्कि ऐसा काम करना जरूरी था, जिसे करने के बाद उन्हें लगे कि उन्होंने सही फैसला लिया है। शो में रश्मि के साथ जान्हवी सोनी और गौतम सिंह विग भी अहम भूमिकाओं में हैं। जान्हवी शो में सानवी का किरदार निभा रही हैं। उन्होंने अपने किरदार के बारे में कहा, ' 'सानवी बहुत प्यार करने वाली और दूसरों की परवाह करने वाली लड़की है, लेकिन उसकी अच्छाई को उसकी कमजोरी समझना सही नहीं होगा। वह अपने लिए और सही बात के लिए खड़े होने की हिमत रखती है। वह अपने वादेभी निभाती है, भले ही ऐसा करने के लिए उसे खुद किसी मुश्किल का सामना यों न करना पड़े।' '

मैं जैकी दादा के साथ काम करने को लेकर काफी नर्वस थीं: करिश्मा कपूर



अपने फिल्मी करियर के शुरुआती दिनों को याद करते हुए बॉलीवुड अभिनेत्री करिश्मा कपूर ने मशहूर एक्टर जैकी श्रॉफ के साथ काम करने का एक दिलचस्प अनुभव साझा किया है। उन्होंने जैकी श्रॉफ के साथ 1992 में रिलीज हुई फिल्म पुलिस ऑफिसर में काम किया था। करिश्मा ने बताया कि यह उनके करियर की शुरुआती फिल्मों में से एक थी, और उस वक्त वह महज 17 साल की थीं, जिसके चलते एक बड़े स्टार के साथ काम करने को लेकर वह काफी नर्वस

थीं। यह खुलासा तब हुआ जब जैकी श्रॉफ इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5 में बतौर गेस्ट शामिल हुए और शो की जज करिश्मा कपूर ने उनके साथ काम के अनुभव को याद किया। करिश्मा ने जैकी श्रॉफ से मुखातिब होते हुए कहा, मुझे नहीं पता जगू दादा, आपको याद है या नहीं, लेकिन मैं कहना चाहती हूँ कि मैंने आपके साथ एक फिल्म की थी, जिसका नाम पुलिस ऑफिसर था। यह मेरी शुरुआती फिल्मों में से एक थी। बहुत पहले की बात है, तब मैं सिर्फ 17 साल की थी। यह प्रेम कैदी के बाद की बात है। करिश्मा ने आगे उस फिल्म के एक गाने का जिक्र किया, जिसने उन्हें काफी घबरा दिया था। उन्होंने कहा, उसमें एक गाना था देखो ये लड़की करंट मारती हैज यह बहुत बड़ा गाना था, जिसमें काफी सारे डांसर्स थे। मुझे लगता है कि यह पहली बार था जब मैंने इतने सारे डांसर्स और किसी बड़े स्टार के साथ काम किया था। इसलिए मैं काफी डरी हुई और नर्वस भी थी। उस उम्र में एक बड़े सेट पर इतने सारे लोगों के साथ काम करना किसी भी नए कलाकार के लिए स्वाभाविक रूप से चुनौतीपूर्ण हो सकता

है। करिश्मा ने जैकी श्रॉफ के साथ काम करने को अपने लिए सम्मान और खुशी की बात बताया। उन्होंने कहा, आपके साथ काम करना मेरे लिए हमेशा खास रहेगा। उनकी इन बातों से पता चलता है कि जैकी श्रॉफ ने उस युवा अभिनेत्री के साथ किस तरह का सहयोगपूर्ण माहौल बनाया होगा। वहीं जैकी श्रॉफ ने भी करिश्मा कपूर की जमकर तारीफ की। उन्होंने करिश्मा को एक शानदार एक्ट्रेस बताते हुए कहा कि वह एक मल्टीटैलेंटेड कलाकार हैं और कुछ भी कर सकती हैं। जैकी श्रॉफ ने कहा, एक शानदार और प्यारी महिला के साथ काम करना मेरे लिए सम्मान और खुशी की बात है। वह मल्टीटैलेंटेड हैं और कुछ भी कर सकती हैं। वह ऐसे परिवार से आती हैं, जो हमारी इंडस्ट्री का एक मजबूत हिस्सा रहा है। मुझे आपके परिवार और आप पर बहुत गर्व है। मुझे प्यार देने और पसंद करने के लिए शुक्रिया। करिश्मा कपूर और जैकी श्रॉफ ने 1992 में रिलीज हुई फिल्म पुलिस ऑफिसर में साथ काम किया था। फिल्म का डायरेक्शन अशोक गायकवाड़ ने किया था और इसमें अरुणा ईरानी और परेश रावल भी अहम भूमिकाओं में नजर आए थे।

